हरिभूमि
जीटी रोड भूमि
रोहतक, रविवार 11 अक्टूबर 2026

तापमान

अधिकतम 34.7 डिग्री से.
न्यूनतम 20.5 डिग्री से.

10 सीजेपी के आंदोलन की वजह से दिल्ली जाने वाली ...



10 मेगा मेडिकल चेकअप कैंप में 650 लोगों ने करवाई ...



खबर संक्षेप



इंद्री में 32.21 ग्राम स्मैक सहित युवक गिरफ्तार

करनाल। जिला पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए इंद्री क्षेत्र से विजय पुत्र राजेश कुमार, निवासी वार्ड नंबर-4 को 32.21 ग्राम स्मैक सहित गिरफ्तार किया है। सीआईए-2 प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार के नेतृत्व में टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर दबिश देकर आरोपी को पकड़ा। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ पहले से तीन से चार आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश कर रिमांड हासिल किया है। पूछताछ के दौरान नशा तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी।

पानीपत में पेरलल नहर में डूबी महिला

पानीपत। पानीपत के देशवाल चौक के पास दिल्ली पेरलल नहर में डूबने से 45 वर्षीय पुष्पा लता निवासी जाटल रोड, पीपल वाली गली की मौत हो गई। पुष्पा हर रोज की तरह नहर में मछलियों को आटा डालने गई थी। वहीं, पुष्पा के पति की पहले ही मौत हो चुकी है। हालांकि दो लोगों ने पुष्पा को बचाने का प्रयास किया था। इधर, पुलिस ने पुष्पा की मौत के मामले की जांच शुरू कर दी है।

त्यागी हत्याकांड में तीन और आरोपी गिरफ्तार

यमुनानगर। शिवा त्यागी की पीट-पीटकर हत्या के मामले में अपराध अन्वेषण शाखा-1 ने तीन और आरोपियों सत्यम, लक्ष्य व कनिष्क को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों को अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया है। मामले में अब तक छह आरोपी गिरफ्तार हो चुके हैं। पहले खेड़ा फार्म निवासी राजकुमार उर्फ लुक्का, आशीष और अंकित को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

नागल पत्ती में हेरोइन सहित तस्कर गिरफ्तार

यमुनानगर। एंटी नारकोटिक सेल की टीम ने गांव नागल पत्ती के पास से 32 ग्राम हेरोइन सहित सलीम को गिरफ्तार किया है। आरोपी इसी गांव का निवासी है। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक युवक नशीले पदार्थ लेकर घूम रहा है। टीम ने युवक को पकड़ा और तलाशी में हेरोइन बरामद की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया, जहां से रिमांड मिला। आरोपी हेरोइन कहां से लाया था और किसे सप्लाई करने वाला था।

कुरुक्षेत्र में मुख्यमंत्री आवास घेरने पहुंचे थे प्रदेशभर से अतिथि अध्यापक

नियमितीकरण की मांग को लेकर अतिथि अध्यापकों का प्रदर्शन, वाटर कैनन से रोका

- 23 जून से जारी है अनिश्चितकालीन धरना, तीन बार प्रदर्शन के बावजूद समाधान नहीं होने ने रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

अतिथि अध्यापकों को नियमित करने की मांग को लेकर शनिवार को कुरुक्षेत्र में प्रदेशभर से पहुंचे अतिथि अध्यापकों ने प्रदर्शन किया। लघु सचिवालय पर एकत्रित होने के बाद दोपहर को शिक्षक पैदल मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच करने लगे। जिंदल चौक, सेक्टर-3 पर पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोक लिया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग पार करने का प्रयास किया, जिसके बाद पुलिस ने भीड़ को रोकने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। इस दौरान कई अतिथि अध्यापक चोटिल भी हुए। प्रदर्शन को देखते हुए जिंदल चौक पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था। मौके पर वाटर कैनन वाहन भी मौजूद रहा। मुख्यमंत्री आवास की ओर जाने से रोके जाने पर प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और नियमित करने की मांग दोहराई। शिक्षकों ने 'गेस्ट टीचर को नियमित करो' और 'कोर्ट का फैसला लागू करो' जैसे नारे लगाए।शिक्षकों के अनुसार, 16 अप्रैल 2026 को सुप्रीम कोर्ट के फैसले तथा 29 अप्रैल और 27 मई 2026 को पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के आदेशों के बावजूद अभी तक किसी अतिथि अध्यापक को नियमित नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि इसी मांग को लेकर 23 जून 2026 से लघु सचिवालय में अनिश्चितकालीन पड़ाव शुरू किया गया था।महेश तेवतिया और राजकुमार कालीरमन ने कहा कि संगठन के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के फैसले में हरियाणा सरकार की 16 और 18 जून 2014 की नियमितीकरण नीतियों को वैध माना गया है। उनका दावा है कि 29 अप्रैल और 27 मई को हाईकोर्ट ने भी अतिथि अध्यापकों के नियमितीकरण के पक्ष में आदेश पारित किए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के स्कूलों में कार्यरत अतिथि अध्यापक इन नीतियों के तहत नियमितीकरण की शर्तें पूरी करते हैं। संगठन ने सरकार से सभी पात्र अतिथि अध्यापकों को तत्काल नियमित करने और जून 2014 से सभी संबंधित लाभ देने की मांग की।गेस्ट टीचर भूपेंद्र सिंह ने कहा कि अप्रैल 2026 में अतिथि अध्यापकों से जुड़े मामले में अदालत का फैसला आया था। इसके बाद 23 जून से कुरुक्षेत्र में धरना जारी है।



कुरुक्षेत्र। अतिथि अध्यापकों पर वाटर कैनन की बौछार करते कर्मी। फोटो : हरिभूमि

ज्ञापन में उठाईं तीन मांगें

राजकीय अनुबंधित अध्यापक संघ की हरियाणा राज्य कमेटी की ओर से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन जारी किया गया। इसमें सर्वोच्च न्यायालय के 16 अप्रैल 2026 के फैसले और मुख्य सचिव, हरियाणा के 11 अगस्त 2026 के पत्र का हवाला देते हुए पात्र अतिथि अध्यापकों को नियमित करने की मांग उठाई गई है। ज्ञापन में 16 जून और 18 जून 2014 की नीति के तहत पात्र अतिथि अध्यापकों की सेवाएं नियमित करने की प्रक्रिया शुरू करने की मांग की गई है। इसके अलावा 23 अगस्त 2010 से पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से राहत देने तथा स्कूलों का मर्जर बंद कर जरूरत के अनुसार शहरी बस्तियों में नए स्कूल खोलने की मांग भी शामिल है। प्रदर्शनकारी शिक्षकों ने सरकार से अदालत के फैसले के अनुरूप कार्रवाई करने और नियमितीकरण की प्रक्रिया जल्द शुरू करने की अपील की।

कुरुक्षेत्रः नहर से मिले युवती के शव का मामला

मुंह-नाक दबाकर हत्या, सिर पर भी मिले चोट के निशान

- यौन उत्पीड़न की पुष्टि के लिए सैंपल फॉरेंसिक लैब भेजे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

झांसा हेड के पास नरवाना ब्रांच नहर से मिले अर्धनग्न युवती के शव के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या किए जाने की बात सामने आई है। चिकित्सकों के अनुसार, युवती की मौत नहर में डूबने से नहीं, बल्कि मुंह और नाक दबाने से हुई। उसके सिर पर भी चोटों के निशान मिले हैं। आशंका है कि हत्या के बाद शव को नहर में फेंका गया। वहीं, युवती के साथ यौन उत्पीड़न हुआ था या नहीं, इसकी पुष्टि के लिए सैंपल पंचकूला स्थित फॉरेंसिक लैब भेजे गए हैं। 16 सितंबर को नहर से शव मिलने के 24 दिन बाद भी मृतका की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस डीएनए जांच और आसपास के जिलों के साथ पंजाब पुलिस के रिकॉर्ड की मदद से उसकी पहचान करने का प्रयास कर रही है। पहचान नहीं होने के कारण पोस्टमार्टम के बाद एक सामाजिक संस्था के सहयोग से युवती का अंतिम संस्कार कर दिया गया। 16 सितंबर की सुबह करीब 11 बजे झांसा हेड के पास नहर में एक युवती का शव पानी में फंसा मिला था। गोताखोर प्रगट सिंह की टीम ने शव को बाहर निकलवाया। युवती की उम्र करीब 28 से 30 वर्ष आंकी गई थी। उसने काले रंग की जींस जैसी लोअर पहनी हुई थी।



डीएनए जांच से पहचान की उम्मीद

मृतका की पहचान के लिए पोस्टमार्टम के दौरान दांत का सैंपल डीएनए जांच के लिए सुरक्षित रखा गया है। पुलिस आसपास के जिलों के थानों से संपर्क कर रही है और पंजाब पुलिस से भी लापता महिलाओं का रिकॉर्ड मांगा गया है। पुलिस को उम्मीद है कि लापता महिलाओं के रिकॉर्ड और डीएनए मिलान के जरिए मृतका की पहचान करने में मदद मिल सकती है।

मोबाइल लूटने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला



सीआईए-2 की टीम ने गांव मलिकपुर में मोबाइल लूट की वारदात सुलझाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान थंबड़ गांव निवासी सागर और अमित सिंह उर्फ बल्लू के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, 1 सितंबर 2026 को नीरज का मोबाइल फोन मोटरसाइकिल सवार दो युवक लूटकर फरार हो गए थे। थाना बराड़ा में केस दर्ज कर जांच सीआईए-2 को सौंपी गई। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर लूटा गया मोबाइल और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद कर ली। पूछताछ के बाद दोनों को जेल भेज दिया गया।

एनसीआर प्रदूषण स्रोतों की पहचान करेगी विशेषज्ञ कमेटी

- कमेटी हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रदूषण के कारणों की पहचान करेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने 15 सदस्यीय उच्चस्तरीय विशेषज्ञ सब-कमेटी का गठन किया है। नौ अक्टूबर को जारी आदेश के अनुसार, यह कमेटी हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के सीमावर्ती क्षेत्रों में प्रदूषण के प्रमुख स्रोतों की पहचान करेगी। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग अधिनियम, 2021 की धारा 11(5) के तहत गठित कमेटी की अध्यक्षता सीएक्यूएम के टेक्निकल मेंबर डॉ. एसडी अत्री करेंगे। इसमें आईआईटी कानपुर के प्रोफेसर मुकेश शर्मा, आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर साग्निक डे, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़ के प्रोफेसर रविंद्र खैवाल और सीएसआईआर-नीरी के डॉ. एसके गोयल सहित विभिन्न संस्थानों के विशेषज्ञ शामिल हैं। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और चारों राज्यों के प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के सदस्य सचिव भी कमेटी का हिस्सा होंगे। डॉ. विकास सिंह को सदस्य-संयोजक नियुक्त किया गया है। कमेटी सीमावर्ती क्षेत्रों में औद्योगिक, कृषि और अन्य प्रदूषणकारी गतिविधियों का अध्ययन कर रिपोर्ट दो महीने में आयोग को सौंपेगी।

अंबाला में दिल्ली-अमृतसर हाइवे पर हादसा

पिकअप से टकराया कैंटर बस भी भिड़ी, ड्राइवर घायल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अंबाला



अंबाला कैंट में दिल्ली-अमृतसर नेशनल हाइवे पर शहीदी स्मारक के पास शनिवार को कैंटर और प्राइवेट बस की टक्कर हो गई। हादसे में कैंटर ड्राइवर घायल हो गया, जबकि बस में सवार कुछ यात्रियों को भी चोटें आने की बात सामने आई है। दुर्घटना के बाद हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात प्रभावित हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस की पीसीआर टीम मौके पर पहुंची। घायल कैंटर ड्राइवर को एम्बुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। वहीं, क्रेन बुलाकर दुर्घटनाग्रस्त बस और कैंटर को सड़क से हटाया गया, जिसके बाद यातायात दोबारा सुचारू हो सका। बस ड्राइवर रईस अहमद ने बताया कि वह चंडीगढ़ की तरफ से बस लेकर आ रहा था। आगे कैंटर चल रहा था। कैंटर ने सड़क पर खड़ी पिकअप गाड़ी को टक्कर मार दी, जिसके बाद कैंटर अनियंत्रित होकर पलट गया। बस भी उसके पीछे चल रही थी। कैंटर से बस को बचाने के लिए काफी कोशिश की और ब्रेक लगाकर वाहन को नियंत्रित करने का प्रयास किया, लेकिन वह टक्कर से बच नहीं सका। दूसरी तरफ भी वाहन चल रहे थे।

जमीन के सौदे में 85 लाख हड़पने का आरोप

शहजादपुर। 39 कैनाल जमीन का सौदा कर 85 लाख रुपये हड़पने और गैंगस्टर से जान से मरवाने की धमकी दिलवाने के आरोप में पुलिस ने एक ही परिवार के चार सदस्यों पर धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश का केस दर्ज किया है। डीएसपी की जांच के बाद कार्रवाई हुई। आरोपियों में जटवाड़ निवासी गुरनाम सिंह, उसकी पत्नी सतवंती देवी और बेटे नरेंद्र सिंह व बलजिंद्र सिंह शामिल हैं। शिकायतकर्ता विकास गुप्ता के अनुसार, जमीन की रजिस्ट्री नहीं कराई गई और पैसे लौटाने से भी इनकार कर दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

- परिवार के चार सदस्यों पर पर धोखाधड़ी और आपराधिक साजिश का केस

मां दुर्गा के गज पर आगमन को शुभ संकेत माना जा रहा

नवरात्र के हर दिन बनेंगे विशेष योग, दो दिन सप्तमी, 19 को अष्टमी-नवमी का महासंयोग

- आज से नवरात्र, 14 अक्टूबर को सर्वार्थ सिद्धि, अमृत सिद्धि और रवि योग का त्रिवेणी संयोग, 20 को मनेगा दशहरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र



शक्ति आराधना का महापर्व शारदीय नवरात्र इस बार कई विशेष ज्योतिषीय संयोगों के साथ शुरू होगा। 11 अक्टूबर से शुरू होकर 19 अक्टूबर तक चलने वाले नवरात्र में लगभग हर दिन अलग-अलग योग बनेंगे। तिथियों की स्थिति भी इस बार खास है। 17 और 18 अक्टूबर को सप्तमी तिथि रहेगी, जबकि 19 अक्टूबर को अष्टमी और नवमी दोनों तिथियों का संयोग बनेगा। 20 अक्टूबर को विजयादशमी मनाई जाएगी। गायत्री ज्योतिष अनुसंधान केंद्र, ब्रह्मसरोवर के संचालक डॉ. रामराज कौशिक के अनुसार ज्योतिषीय गणना में नवरात्र के दौरान गुरु और चंद्रमा की विशेष स्थिति से गजकेसरी योग बनने का संयोग है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गजकेसरी योग को शुभता, प्रतिष्ठा, समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा से जोड़ा जाता है। नवरात्र के पहले दिन 11 अक्टूबर को प्रतिपदा तिथि के साथ वैधृति योग और चित्रा नक्षत्र का प्रभाव रहेगा। इसी दिन विधि-विधान से घटस्थापना कर मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा की जाएगी। श्रद्धालु नौ दिनों तक मां के नौ स्वरूपों की आराधना करेंगे। इस दौरान व्रत, दुर्गा सप्तशती पाठ, हवन और कन्या पूजन सहित विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान होंगे।

मुर्गे पर प्रस्थान शुभ नहीं



गायत्री ज्योतिष अनुसंधान केंद्र, ब्रह्मसरोवर के संचालक डॉ. रामराज कौशिक।

डॉ. कौशिक के अनुसार इस बार नवरात्र में मां दुर्गा के हाथी पर आगमन की धार्मिक मान्यता है। परंपरा में हाथी को शक्ति, स्थिरता, समृद्धि और वर्षा का प्रतीक माना गया है। देवी के गज पर आगमन को शुभ संकेत के रूप में देखा जाता है तथा इसे अच्छी वर्षा, कृषि उपज और समृद्धि से जोड़ा जाता है। वहीं देवी के मुर्गे पर प्रस्थान को परंपरागत ज्योतिषीय मान्यताओं में शुभ नहीं माना जाता। ऐसी मान्यताओं में इसे राजनीतिक अस्थिरता, संक्रमण अथवा विपरीत परिस्थितियों के संकेत से जोड़ा जाता है। हालांकि ये धार्मिक एवं ज्योतिषीय मान्यताएं हैं, जिन्हें आस्था और परंपरा के संदर्भ में देखा जाता है।

घटस्थापना के शुभ मुहूर्त

▶▶| प्रातःकाल : सुबह 6:19 से 10:12 बजे तक
▶▶| अभिजीत मुहूर्त : सुबह 11:44 से दोपहर 12:31 बजे तक

12 को विष्कंभ 13 को प्रीति

नवरात्र के दौरान 14 अक्टूबर का दिन विशेष माना जा रहा है। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग, अमृत सिद्धि योग और रवि योग का संयोग रहेगा। इसके अलावा 12 अक्टूबर को विष्कंभ, 13 को प्रीति, 14 को आयुष्मान, 15 को सौभाग्य और 16 अक्टूबर को शोभन योग रहेगा। 17 अक्टूबर को अतिगंड योग के बाद सुकर्मा योग तथा 18 अक्टूबर को सुकर्मा योग का प्रभाव रहेगा।



न्यूज डायरी

हॉकी चैंपियनशिप में टीमों के बीच कड़े मुकाबले



करनाल। एसपीएस कॉन्वेंट स्कूल की ओर से कैलाश हॉकी स्टेडियम में आयोजित सीबीएसई राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप के तीसरे दिन कई रोमांचक मुकाबले हुए। अंडर-14 वर्ग में गुरु ब्रह्मानंद सीनियर सेकेंडरी स्कूल ने सेंट थॉमस स्कूल को 2-1 से हराया। इसी वर्ग में सनबीम स्कूल ने आर्मी पब्लिक स्कूल को 1-0 से शिकस्त दी। अंडर-19 वर्ग में सच्चिदानंद स्कूल, तमिलनाडु ने प्रिंस अकादमी ऑफ हायर एजुकेशन को 7-1 से हराया, जबकि इंडियन स्कूल, ओमान ने संजय घोड़ावत इंटरनेशनल स्कूल को 2-1 से पराजित किया। अंडर-17 वर्ग में सनवे स्कूल, रामपुर (उत्तर प्रदेश) ने मानव स्थली स्कूल, नई दिल्ली को 5-0 से हराया। प्रतियोगिता में 26 टीमें भाग ले रही हैं।

बी-24 बैडमिंटन अकादमी में ओपन टूर्नामेंट शुरू



करनाल। निर्मल विहार स्थित बी-24 बैडमिंटन अकादमी में दो दिवसीय ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट का शुभारंभ हरियाणा सरकार में सूचना अधिकार के चेयरमैन एडवोकेट संजय मदान ने रिबन काटकर किया। प्रतियोगिता में अंडर-9, 11, 13, 15, 17 और 19 आयु वर्ग के लड़के-लड़कियां भाग ले रहे हैं। आयोजन में लगभग 200 खिलाड़ी शामिल हैं।पहले दौर के मुकाबलों में लड़कियों के अंडर-9 वर्ग में याकाशी ने आश्वी मलिक और यामिनी ने वान्या को हराया। अंडर-11 में जसकिरत ने आशना तथा प्रियल ने सृष्टि को पराजित किया। अंडर-13 में अवनी कुकरेजा ने शेयरन और जसकिरात ने अहाना को हराया।लड़कों के अंडर-9 वर्ग में अर्श, धैर्यवर्त और हेयान ने अपने मुकाबले जीते। अंडर-11 में अयांश गुप्ता और निमित तथा अंडर-13 में सारांश और पुष्कर खन्ना ने जीत दर्ज कर अगले दौर में जगह बनाई।

सर्वपितृ अमावस्या पर श्री कृष्ण गोशाला में हवन



करनाल। श्री कृष्ण गोशाला के देवधाम में सर्वपितृ अमावस्या पर हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने पितरों की आत्मिक शांति, परिवार की सुख-समृद्धि और समाज की खुशहाली के लिए आहुतियां अर्पित कीं। बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने गायों की सेवा भी की। यजमान के रूप में सीए प्रवीण मित्तल, एडवोकेट मनोज मित्तल, पीयूष कुमार और पुनीत मित्तल ने परिवार सहित भाग लिया। गोशाला प्रधान सुनील गुप्ता ने कहा कि सर्वपितृ अमावस्या पर उन पूर्वजों के निमित्त श्राद्ध और तर्पण किया जाता है, जिनकी पुण्यतिथि ज्ञात नहीं होती या किसी कारणवश श्राद्ध नहीं हो पाता। कार्यक्रम में कोषाध्यक्ष गुरदयाल अग्रवाल, प्रबंधक ढुलियाराम शर्मा, सीए सार्थक मित्तल सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की मांग



करनाल। सर्व कर्मचारी संघ की जिला कमेटी ने जिला सचिवालय के सामने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंककर उन्हें पद से हटाने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए राष्ट्रपति से मामले में हस्तक्षेप करने की अपील की। प्रदर्शन की अगुवाई जिला प्रधान सुशील गुर्जर और जिला सचिव सेवाराम बड़सर ने की। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने अपनी मांगों के समर्थन में नारे लगाए। इस अवसर पर राजपाल, सतपाल, रामकुमार, रंग लाल, रवि प्रोचा, राज कुमार, राजीव, ओमप्रकाश सिंहमार, तेलू राम, लाभ सिंह, सरोज, मीना और संजय सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

खाद की कमी नहीं होने का दिया आश्वासन



करनाल। किसान वेलफेयर क्लब की ओर से जिला कृषि विकास अधिकारी कार्यालय में ईलम सिंह की अध्यक्षता में किसान विज्ञान संगोष्ठी आयोजित की गई। क्लब महासचिव विजय कपूर ने धान की कटाई और मंडियों में बिक्री से जुड़े विषयों पर चर्चा की। उपकृषि निदेशक डॉ. जसविंद्र सिंह सैनी ने किसानों को गेहूं और अन्य रबी फसलों की बिजाई के लिए डीएपी तथा यूरिया की कमी नहीं होने का आश्वासन दिया। संगोष्ठी में किसान जोगिंद्र सिंह, वरिंद्र सिंह, सुशील और देवी दयाल को प्रगतिशील किसान पुरस्कार से सम्मानित किया।

गाबा की नजरबंदी के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन



करनाल। जिला कांग्रेस कमेटी (शहरी), करनाल के अध्यक्ष पराग गाबा की कथित नजरबंदी के विरोध में शनिवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने माल रोड स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में प्रदर्शन किया। नेताओं के अनुसार, पराग गाबा को 8 अक्तूबर की रात आठ बजे से घर में नजरबंद किया गया है। कांग्रेस पदाधिकारियों ने उनका हालचाल जाना और प्रशासन से तत्काल रिहाई की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के आह्वान पर 12 अक्तूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित धरने से पहले जिला अध्यक्ष को नजरबंद करना लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन है। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध करना लोकतंत्र में नागरिकों का अधिकार है। उन्होंने दिल्ली में प्रस्तावित प्रदर्शन को लेकर पुलिस बल की तैनाती पर भी सवाल उठाए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि जनता के मुद्दे उठाने वाले कार्यकर्ताओं की आवाज दबाने के बजाय उनकी बात सुनी जानी चाहिए। पार्टी ने 12 अक्तूबर के धरने के समर्थन में संघर्ष जारी रखने की बात कही।

बुनियादी शिक्षा के सिखाए नए तरीके

करनाल। घरौंडा में आयोजित छह दिवसीय बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान (एफएलएन) प्रशिक्षण पूरा हो गया। इसमें राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक विद्यालय, फरीदपुर के शिक्षक हरदीप मलिक और राजकीय प्राथमिक पाठशाला, अलीपुर खालसा के शिक्षक अमरदीप ने भाग लिया। शिक्षकों ने बताया कि प्रशिक्षण का उद्देश्य प्राथमिक विद्यार्थियों में पढ़ने, लिखने और गणित की बुनियादी समझ विकसित करना है। इसके तहत खेल-खेल में शिक्षा, कहानी, कविता, चित्रों और शिक्षण सामग्री के माध्यम से बच्चों को पढ़ाने की तकनीकें सिखाई गईं। प्रशिक्षण में विद्यार्थियों की प्रगति का आकलन करने और कमजोर बच्चों को अतिरिक्त सहयोग देने के तरीकों पर भी जोर दिया गया। इससे बच्चों में भाषा की समझ, संख्याओं की पहचान, जोड़-घटाव और दैनिक जीवन में गणित के उपयोग की क्षमता विकसित करने में मदद मिलेगी। शिक्षकों के अनुसार, बुनियादी दक्षताएं मजबूत होने से बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है और आगे की पढ़ाई आसान होती है।

हरियाणा ग्रामीण बैंक से मिलेंगी बीमा सेवाएं



करनाल। स्टार यूनियन दाई-इची लाइफ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड ने हरियाणा ग्रामीण बैंक के साथ जीवन बीमा सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए साझेदारी की है। बैंक ऑफ इंडिया, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और जापान की दाई-इची लाइफ के संयुक्त उपक्रम की इस पहल का उद्देश्य प्रदेश में बीमा सेवाओं की पहुंच बढ़ाना है। रोहतक स्थित हरियाणा ग्रामीण बैंक के प्रधान कार्यालय में हुए समझौते के दौरान बैंक के अध्यक्ष सुमंत कुमार, महाप्रबंधक नरेश कुमार उप्पल और दोनों संस्थानों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। साझेदारी के तहत बीमा कंपनी हरियाणा ग्रामीण बैंक की 698 शाखाओं के माध्यम से जीवन सुरक्षा, बचत और सेवानिवृत्ति संबंधी बीमा योजनाएं उपलब्ध कराएगी।

कालरो में आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित

तरावड़ी। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर आयुष विभाग की ओर से सेवा संकल्प अभियान के तहत गांव कालरो के पंचायत घर में आयुर्वेदिक स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि सरपंच नीलम राणा और विशिष्ट अतिथि भाजपा मधुबन मंडल मीडिया प्रभारी संदीप लोहट सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर पंच नककल सिंह, तेजबीर सिंह, कमलजीत, पूर्व पंच मेमपाल राणा, तेजबीर वाल्मीकि, ठाकुर मामचंद, निशांत, प्रधुबन और चेतराम सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। पंच नककल सिंह ने शिविर आयोजन के लिए आयुष विभाग का आभार व्यक्त किया।

खेल युवाओं को अनुशासन व नशे से दूर रखने में निभाते हैं खास भूमिका

■ विधायक रामकुमार कश्यप ने गांव खेड़ा में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की

हरिभूमि न्यूज ⏭|इंद्री



इंद्री । गांव खेड़ा मे आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ करते विधायक रामकुमार कश्यप ।

विधायक एवं गवर्नमेंट चीफ व्हिप रामकुमार कश्यप ने गांव खेड़ा में आयोजित क्रिकेट टूर्नामेंट में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों का परिचय लिया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि खेल युवाओं को अनुशासन, टीम भावना और मेहनत की सीख देते हैं, जो जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए बेहद जरूरी हैं। विधायक ने कहा कि हरियाणा सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने और ग्रामीण क्षेत्रों की खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार की खेल नीति के तहत राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्धियां हासिल करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है।

साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में खेल सुविधाओं और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर भी जोर दिया जा रहा है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे खेलों के प्रति रुचि बढ़ाएं और सरकार की खेल प्रोत्साहन योजनाओं का लाभ उठाकर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने गांव, प्रदेश और देश का नाम रोशन करें। उन्होंने युवाओं में बढ़ते नशे के चलन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि नशा एक गंभीर सामाजिक बुराई है, जिससे युवाओं को दूर रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। युवाओं को नशे से दूर रहकर क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल सहित अन्य खेलों में अपनी ऊर्जा लगानी चाहिए। उन्होंने कहा कि युवाओं की पहचान नशे से नहीं, बल्कि खेल के जुनून, अनुशासन और कड़ी मेहनत से होनी चाहिए। उन्होंने ग्रामीणों और युवाओं से अपील की कि वे गांव-गांव में खेलों का सकारात्मक माहौल तैयार करें और युवाओं को खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करें, ताकि स्वस्थ, सशक्त और नशामुक्त हरियाणा के निर्माण में सभी अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकें।

प्राथमिक अध्यापकों को वितरित किए प्रमाण-पत्र

इंद्री। निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय इंद्री में चल रही छह दिवसीय बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन हो गया । समापन अवसर पर प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्राथमिक अध्यापकों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए और प्रशिक्षण के दौरान विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अध्यापकों को स्मृति-चिन्ह देकर सम्मानित किया गया । यह प्रशिक्षण कार्यक्रम खंड शिक्षा अधिकारी डॉ. गुरनाम सिंह मंढान के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण को सफल बनाने में कोऑर्डिनेटर डॉ. बाबू राम मंढान और धर्मेंद्र चौधरी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दोनों कोऑर्डिनेटरों ने प्रशिक्षण की व्यवस्था, प्रभावी संचालन और अध्यापकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रयास किए। कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर प्रियंका, सुनंदा, शैलजा गुप्ता, युगल किशोर मित्तल, सुखविंदर कंबोज, गरिमा शर्मा, कविता कांबोज व ललतेश ने अध्यापकों को विभिन्न शिक्षण विधियों, गतिविधियों और व्यावहारिक उदाहरणों के माध्यम से प्रशिक्षण दिया। उन्होंने अध्यापकों को प्रेरित करते हुए बताया कि बच्चों की बुनियादी साक्षरता, भाषा कौशल और गणितीय समझ को मजबूत बनाने के लिए सरल, रोचक और गतिविधि आधारित शिक्षण अत्यंत आवश्यक है। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों में पढ़ने, लिखने, समझने और गणितीय गणनाओं की बुनियादी क्षमताओं का विकास करना है।

कमलदीप और कैडेट वसुंधरा बने सर्वश्रेष्ठ



करनाल। पंडित चिरंजी लाल शर्मा राजकीय महाविद्यालय में आयोजित दो दिवसीय 47वीं वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का समापन हुआ। लड़कों में कमलदीप और लड़कियों में एनसीसी वायुसेना शाखा की कैडेट वसुंधरा को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। समापन समारोह में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रशिक्षक नरेश कुमार मुख्य अतिथि तथा तव्वी कालड़ा विशिष्ट अतिथि रहीं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अनिल गर्ग, शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. विनोद चहल और डॉ. यशपाल ने अतिथियों का स्वागत किया। अतिथियों ने पौधारोपण किया और विजेताओं को सम्मानित किया।

इतिहास विभाग के प्राध्यापक डॉ. राकेश यादव ने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को 5,100-5,100 रुपये तथा तव्वी कालड़ा ने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को 5,100-5,100 रुपये और उपविजेताओं को 2,500-2,500 रुपये दिए।

100 मीटर दौड़ में लड़कों में कमलदीप, अरुण और दीपचंद क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय रहे। लड़कियों में वसुंधरा, मुस्कान और प्रीति ने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। लड़कों की ऊंची कूद में अरुण प्रथम, हर्षित द्वितीय और जतिन तृतीय रहे। लड़कियों की ऊंची कूद में मुस्कान प्रथम और वसुंधरा तृतीय रहीं।

शिविर में 47 ने किया रक्तदान



करनाल। सेवा संकल्प अभियान के तहत रोड़ भवन में रोड़ महासभा की ओर से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। असंध के विधायक योगेंद्र राणा ने शिविर का उद्घाटन किया, जबकि समापन अवसर पर हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण पहुंचे। शिविर में 47 लोगों ने रक्तदान किया। विर्क अस्पताल के डॉ. अमनप्रीत सिंह के नेतृत्व में आई टीम ने रक्त एकत्र किया। विधानसभा अध्यक्ष ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर प्रमाण पत्र वितरित किए। उन्होंने रक्तदान को जरूरतमंदों का जीवन बचाने वाला महत्वपूर्ण सामाजिक कार्य बताया और युवाओं से सेवा भाव बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए। शिविर में पहुंचने पर हरविंद्र कल्याण ने जगद्गुरु ब्रह्मानंद जी महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित किए। महासभा के सदस्यों ने उनका पटका पहनाकर और स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया।

स्टोंडी में खेत से मिला युवक का शव



करनाल। गांव स्टोंडी में श्मशान घाट के नजदीक ईंट-भट्ठे के पास खेत में एक युवक का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक के चेहरे और सिर पर चोट के निशान मिले हैं। प्रारंभिक परिस्थितियों को देखते हुए हत्या की आशंका जताई जा रही है। सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम को बुलाकर घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए। मृतक की पहचान नहीं होने के कारण शव को करनाल के मोर्चरी हाउस में रखवाया गया है। ग्रामीण राज सिंह के अनुसार, शनिवार सुबह वह खेत में मशीन लेकर काम करने पहुंचे थे। इसी दौरान उन्हें खेत में एक युवक का शव पड़ा दिखाई दिया। उन्होंने बताया कि युवक एक दिन पहले भी वहां काम करने आया था, लेकिन उस समय कोई शव नहीं था। शनिवार सुबह शव दिखाई देने पर पुलिस को सूचना दी गई। मृतक गांव का रहने वाला नहीं बताया जा रहा है और फिलहाल उसकी पहचान नहीं हो सकी है। सूचना मिलते ही सदर थाना प्रभारी तरसेम चंद कांबोज पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और एफएसएल टीम की सहायता से जरूरी साक्ष्य जुटाए। शव को कब्जे में लेकर पहचान के लिए मोर्चरी में रखवाया गया है। पुलिस मृतक के परिजनों तक पहुंचने और उसकी पहचान सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है। पहचान होने के बाद पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा जाएगा। ग्रामीण राज सिंह के अनुसार, घटनास्थल से कुछ दूरी पर ट्यूबवेल के पास एक मोबाइल फोन भी मिला है, जिस पर खून लगा होने की बात सामने आई है। मृतक के शरीर पर चोटों के निशान मिलने के कारण पुलिस मामले को संदिग्ध मानकर सभी पहलुओं से जांच कर रही है। हालांकि, युवक की मौत का वास्तविक कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। पुलिस घटनास्थल से मिले साक्ष्यों, मोबाइल फोन और मृतक की पहचान से जुड़े तथ्यों के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है। फिलहाल किसी आरोपी या हत्या के कारण की पुष्टि नहीं हुई है।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से दो बुजुर्ग महिलाओं की मौत

करनाल। करनाल में शेखपुरा पुलिया के पास तेज रफ्तार कार की टक्कर से ई-रिक्शा में सवार दो बुजुर्ग महिलाओं की मौत हो गई। हादसे के बाद कार चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी हाउस भिजवा दिया है और चालक की पहचान के लिए आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। मृतकों की पहचान शेखपुरा निवासी प्रीति देवी और संतोष देवी के रूप में हुई है। दोनों की उम्र करीब 60 से 62 वर्ष बताई गई है। परिजनों के अनुसार, शनिवार रात करीब आठ बजे दोनों ई-रिक्शा में सवार होकर जा रही थीं। इसी दौरान शेखपुरा पुलिया के पास तेज रफ्तार कार ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आवश्यक कार्रवाई की। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर कार और चालक की पहचान करने के साथ हादसे के कारणों की जांच कर रही है।

कृषिमंत्री श्याम सिंह राणा ने अधिकारियों को दिए निर्देश

किसानों को धान बेचने में दिक्कत न आए

■ स्थानीय मार्केट कमेटी कार्यालय एवं अनाज मंडी का दौरा किया

हरिभूमि न्यूज ⏭| नीलोखेड़ी



नीलोखेड़ी। कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा नीलोखेड़ी मंडी का दौरा करते, साथ में मार्केट कमेटी के चेयरमैन शिव नाथ कपूर व अन्य।

हरियाणा के कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा ने कल देर शाम स्थानीय मार्केट कमेटी कार्यालय एवं अनाज मंडी का दौरा कर किसानों एवं आढ़तियों की समस्याओं को सुना तथा संबंधित अधिकारियों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए निर्देश भी दिए। श्याम सिंह राणा ने दोहराया कि किसान अपनी धान की फसल को सुखाकर 17नमी की धान लेकर मंडी में आएं,उसे हर हालत में एम एस पी पर ही खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है। कृषि मंत्री ने स्वयं धान की ढेरियों पर जाकर धान की नमी को चैक किया । उसे तत्काल खरीद एजेंसियों को खरीदने के निर्देश दिए। स्थानीय अनाज मंडी में,खरीद व्यवस्था पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि किसान को अपनी फसल बेचने में कोई दिक्कत नहीं आने देंगे। मार्केट कमेटी के चेयरमैन शिव नाथ कपूर ने कहा मार्केट कमेटी कार्यालय एवं अधिकारी भी पूरी तरह से कार्यरत हैं कि फसल बेचने,खरीदने व उठान में कोई दिक्कत न आए।चेयरमैन शिव नाथ कपूर एवं सचिव अशोक कुमार ने बताया कि करीब 52 हजार क्विंटल धान की आवक मंडी में आई है जिसमें से सरकारी खरीद एजेंसियों एवं प्राइवेट फर्मों द्वारा 80-90 प्रतिशत धान की खरीद हो चुकी है,शेष खरीद निरंतर जारी है। इस अवसर पर एस डी एम अशोक कुमार,डी एस पी,नोडल अधिकारी दलजीत सिंह सहित सचिव अशोक शर्मा,किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष विनोद राणा सहित खरीद एजेंसियों के अधिकारी एवं किसान व आढ़ती उपस्थित थे। नीलोखेड़ी आगमन से पूर्व कृषि मंत्री ने तरावड़ी अनाज मंडी का दौरा करके धान खरीद व्यवस्था की समीक्षा की।

न्यूज डायरी

नशा मुक्ति अभियान में छात्रों को किया जागरूक



करनाल। जिला पुलिस ने नशा मुक्त भारत अभियान के तहत बाबू मूलचंद जैन आईटीआई में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। पुलिस अधीक्षक करन गोयल के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. हरीश कुमार और पुलिस टीम ने विद्यार्थियों व स्टाफ को नशे के दुष्प्रभावों की जानकारी दी। विद्यार्थियों को नशे से दूर रहकर शिक्षा, खेलकूद और सकारात्मक गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। सहायक उप निरीक्षक जगमाल सिंह, सिपाही कर्मवीर, एसपीओ रवि चौहान और विक्रम ने नशा मुक्त समाज के निर्माण में सहयोग देने का आह्वान किया। टीम ने नशे से संबंधित जानकारी और सहायता के लिए मानस हेल्पलाइन 1933 की जानकारी भी दी। आईटीआई प्राचार्य डॉ. कृष्ण कुमार की उपस्थिति में विद्यार्थियों और स्टाफ ने नशा न करने तथा दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करने की शपथ ली।

साइबर अपराधों से बचाव का दिया संदेश



करनाल। जिला पुलिस ने कैथल रोड स्थित दून इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थियों के लिए सड़क सुरक्षा, यातायात नियमों और साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। पुलिस अधीक्षक करन गोयल के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में थाना हाईवे के समन्वयक सहायक उप निरीक्षक अजय कुमार ने विद्यार्थियों को यातायात नियमों का पालन करने और सड़क पर सावधानी बरतने की जानकारी दी।

मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर किया जागरूक



करनाल। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से सुभद्रा वरिष्ठ नागरिक सदन और तपन रिहैबिलिटेशन सेंटर, नीलोखेड़ी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। सीजेएम एवं प्राधिकरण की सचिव मीनाक्षी यादव ने बताया कि 'एजिंग विद डिग्निटी' अभियान के तहत वरिष्ठ नागरिकों को उनके अधिकारों की जानकारी दी गई। सुभद्रा वरिष्ठ नागरिक सदन में पैरा लीगल वालंटियर सतिंद्र ने वरिष्ठ नागरिकों से बातचीत कर उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया। साथ ही मानसिक स्वास्थ्य बेहतर रखने के लिए ध्यान और हल्के व्यायाम की सलाह दी गई। प्राधिकरण की ओर से वरिष्ठ नागरिकों को दूध और इमरती भी वितरित की गई।

श्रीराम के आदर्शों को अपनाने का दिया संदेश



घरौंडा। भगवान श्रीराम के जीवन चरित्र पर आधारित पारंपरिक रामलीला का घरौंडा में विधिवत शुभारंभ हो गया। रामलीला के प्रथम दिन नारद मोह भंग की लीला का मंचन किया गया। कलाकारों ने धार्मिक प्रसंगों को जीवंत रूप में प्रस्तुत कर दर्शकों को भावविभोर कर दिया। रामलीला के शुभारंभ अवसर पर पूरा पंडाल भगवान श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा और वातावरण भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम की शुरुआत विधिवत गणेश वंदना के साथ हुई। रामलीला के शुभारंभ पर समाजसेवी मास्टर खुशीराम ने मुख्य रूप से पहुंचकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया, जबकि नगर खेड़ा सभा के प्रधान जोगिंदर राणा ने हनुमान जी के ध्वजारोहण की पावन रस्म अदा की। इसके बाद रामलीला कमेटी के सदस्यों ने मंच पर भगवान श्रीराम के जयकारे लगाए और धार्मिक आयोजन की शुरुआत की। प्रथम दिन की लीला को देखने के लिए श्रद्धालुओं में उत्साह दिखाई दिया। कलाकारों ने अपनी प्रस्तुति के माध्यम से धार्मिक मान्यताओं और पौराणिक प्रसंगों को मंच पर साकार किया। इस अवसर पर रामलीला कमेटी एवं क्लब के संरक्षक गुलशन जुनेजा, क्लब प्रधान रामनिवास धीमान, कमेटी प्रधान मुनीश गुप्ता, संजीव राणा, शंटी, सुरेंद्र कालू, अमित कुच्छल, सतीश रोहिल्ला, अश्विनी चौधरी, रामरूप रोहिल्ला, गौरव वर्मा, मुकेश गुप्ता और देवेंद्र गुप्ता सहित कमेटी के अन्य सदस्य मौजूद रहे।

कबीरपंथी ने विकास कार्यों का किया शिलान्यास



तरावड़ी। विधायक भगवानदास कबीरपंथी के प्रयासों से तरावड़ी शहर में विकास कार्यों को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। नगरपालिका तरावड़ी द्वारा तैयार डी-प्लान के तहत कुल 62.32 लाख रुपये की राशि से शहर के विभिन्न वार्डों में विकास कार्य करवाए जाएंगे। इन कार्यों में सडक़ों और नालियों का निर्माण व मरम्मत, आंगनवाड़ी केंद्रों में आवश्यक सामग्री उपलब्ध करवाना, सरकारी स्कूलों में सुविधाओं का विस्तार तथा सामुदायिक केंद्रों का निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्य शामिल हैं। सामान्य श्रेणी के लिए 24.56 लाख रुपये, एससीएसपी श्रेणी के लिए 16.37 लाख रुपये तथा वार्ड नंबर 13 के लिए 21.39 लाख रुपये निर्धारित किए गए हैं। योजना के अनुसार विकास कार्यों को अलग-अलग क्षेत्रों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए प्राथमिकता दी गई है। सामान्य श्रेणी के तहत वार्ड नंबर 8 स्थित विश्वास कॉलोनी में सडक व नालियों के निर्माण के लिए 10 लाख रुपये, विभिन्न वार्डों के आंगनवाड़ी केंद्रों में सामग्री उपलब्ध करवाने के लिए 4 लाख रुपये, नगरपालिका तरावड़ी के विभिन्न कुओं के सौंदर्यीकरण के लिए 7 लाख रुपये तथा वार्ड नंबर 8 के गांव डोडवा स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में चारदीवारी व अन्य सुविधाओं के लिए 3.56 लाख रुपये निर्धारित किए गए हैं।

भारत को जानो प्रतियोगिता का आयोजन

घरौंडा। भारत विकास परिषद शाखा घरौंडा द्वारा निजी कॉलेज में राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता व भारत को जानो प्रतियोगिता आयोजित की गई जिसमें सर्वप्रथम दीप प्रजव्वलन व स्वामी विवेकानंद जी को माल्यार्पण करके कार्यक्रम की भव्य शुरुआत की गई इस कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि शम्मी राणा ने बच्चों का उत्साह वर्धन करते हुए भारत विकास परिषद के कार्यों की भूरी भूरी प्रशंसा की भारत को जानो प्रतियोगिता को बच्चों के लिए अति महत्वपूर्ण बताते हुए यह प्रतियोगिता लगातार की जानी चाहिए जिससे बच्चों को भारत की संस्कृति के बारे में जननने के लिए अवसर मिलता है विशिष्ट अतिथि कृष्ण शर्मा ने भी बच्चों के मंगल भविष्य की कामना करते हुए भारत विकास परिषद रीति नीति की बहुत प्रशंसा की वह आगे भी अपना सहयोग देने आश्वासन दिया क्षेत्रीय संपर्क संयोजक धीरज भाटिया ने राष्ट्रीय समूहगान व भारत को जानो के नियम बच्चों को विस्तार से बताएं।

खबर संक्षेप

सीएनजी ईंधन से चलित कार में लगी आग

पानीपत। पानीपत की सनौली रोड पर गांव जलालपुर मोड़ कट के पास शनिवार को सीएनजी ईंधन से चलित कार में अचानक आग लग गई। वहीं, कार में सवार सन्नी निवासी गांव मतलौडा व इसके परिजन समय रहते कार से नीचे उतर आए। जबकि कार आग में राख हो गई। इधर, पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। दूसरी ओर, थानेदार तहसील कैंप बंसीलाल ने बताया कि दो युवकों के टावर पर चढने की जानकारी उन्हें नहीं है।

पुलिस ने चोरी के दो आरोपी पकड़े

पानीपत। पानीपत के गांव सिवाह में सुनार हरिकिशन की दुकान में चोरी करने के आरोपी दीपक निवासी गन्नौर, सोनीपत व इसके भांजे अनुज निवासी गांव मछरौली जिला पानीपत को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वहीं, पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए सोने व चांदी से बने जेवर बरामद किए है। जबकि इस वारदात में इनका तीसरा साथी फरार है। इसकी पुलिस तलाश कर रही है।

पुलिस ने कट्टे के साथ एक आरोपी पकड़ा

पानीपत। पानीपत पुलिस की सीआईए–श्री टीम ने दीपक उर्फ लंगड़ा निवासी गांव सिठाना, जिला पानीपत को अवैध देसी पिस्तौल के साथ गिरफ्तार किया है। डीएसपी विकास ने बताया कि दीपक पर थाना पुराना औद्योगिक में आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। जबकि आरोपी को कोर्ट से दो दिन के रिमांड पर लिया गया है।

पुलिस ने हमलावरों को पैदल घुमाया

पानीपत। पानीपत के कोर्ट परिसर में दो युवकों पर हमला कर उन्हें घायल करने के आरोपियों जतिन उर्फ कांटा निवासी गांव कवि, शुभम भट्टी निवासी निवासी गांव मतलौडा को थाना सिटी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। वहीं पुलिस ने दोनों को शनिवार को कोर्ट परिसर व सिविल अस्पताल तक पैदल घुमाया। आरोपियों ने इस घटना के लिए अपनी गलती स्वीकार करते हुए भविष्य में गुंदागर्दी नहीं करने की बात कही।

दिल्ली पेरलल नहर में डूबी महिला

पानीपत। पानीपत के देशवाल चौक के पास दिल्ली पेरलल नहर में डूबने से 45 वर्षीय पुष्पा लता निवासी जाटल रोड, पीपल वाली गली की मौत हो गई। पुष्पा हर रोज की तरह नहर में मछलियों को आटा डालने गई थी। वहीं, पुष्पा के पति की पहले ही मौत हो चुकी है। हालांकि दो लोगों ने पुष्पा को बचाने का प्रयास किया था। इधर, पुलिस ने पुष्पा की मौत के मामले की जांच शुरू कर दी है।

दो सगे भाई लापता पुलिस ने तलाश शुरू की

पानीपत। पानीपत की जाटल रोड स्थित कश्यप कॉलोनी से दो सगे भाई 19 वर्षीय गोलू व 18 वर्षीय निरंजन अपनी मां सुनीता की डांट के चलते घर छोड़ कर गए है। दोनों भाई गलत संगति में पड गए थे। इधर, पीड़ित मां ने थाना पुराना औद्योगिक पुलिस को शिकायत देकर अपने पुत्रों की तलाश का आग्रह किया है। पुलिस ने दोनों की तलाश शुरू कर दी है।

वामपंथियों ने प्रदर्शन कर पुतला फूंका

पानीपत। सेंट्रर ऑफ इंडियन ट्रेड यूनियंस अखिल भारतीय किसान सभा और अखिल भारतीय खेत एवं ग्रामीण मजदूर यूनियन के संयुक्त आह्वान पर संविधान चौक जीटी रोड पर विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला दहन कर उन्हें पद से हटाने और गिरफ्तार करने की मांग की। आंदोलन में सीटू के राज्य सचिव का.सुनील दत्त, आशा वर्कर यूनियन की जिला प्रधान बंटी, सुशीला, डॉ.सुरेंद्र, राजपाल, राम रूप सैनी, राजेंद्र छौक्कर, नवीन सपड़ा, राजू आदि ने भाग लिया।

नशे के खिलाफ जागरूक किया

पानीपत। पानीपत पुलिस की नशा मुक्त अभियान की टीम ने शनिवार को विकास नगर व किशनपुरा में अभियान चलाकर डोर टू डोर जाकर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया।

प्रदूषण स्रोतों की पहचान को उच्च स्तरीय विशेषज्ञ सब-कमेटी का गठन किया

एनसीआर में हवा कैसे हो रही जहरीली इसकी तह में जाएगा सीएक्यूएम

हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, यूपी के एनसीआर में गहन जांच करेगी कमेटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र यानि एनसीआर और आसपास के इलाकों में लगातार बिगड़ती वायु गुणवत्ता पर अंकुश लगाने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने एक बड़ा कदम उठाया है। आयोग ने दिल्ली समेत एनसीआर की हवा को जहरीली बना रहे पड़ोसी राज्यों के प्रदूषण स्रोतों की पहचान करने के लिए एक 15 सदस्यीय उच्च स्तरीय विशेषज्ञ सब-कमेटी का गठन किया है। सीएक्यूएम द्वारा नौ अक्टूबर को जारी आदेशों के अनुसार, यह कमेटी हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के उन सीमावर्ती इलाकों और गतिविधियों की गहन जांच करेगी, जो दिल्ली-एनसीआर के वायु प्रदूषण में मुख्य भूमिका निभाते हैं। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग अधिनियम, 2021 की धारा 11(5) के तहत गठित इस एक्सपर्ट सब-कमेटी का अध्यक्ष सीएक्यूएम के टेक्निकल मेंबर डॉ. एसडी अत्री को बनाया गया है। जबकि 15 सदस्यीय कमेटी में प्रोफेसर मुकेश शर्मा आईआईटी कानपुर, प्रोफेसर साग्निक डे आईआईटी दिल्ली, प्रोफेसर एसके सिंह डीटीयू व पूर्व कुलपति, आरटीयू कोटा, प्रोफेसर रविंद्र खैवाल पीजीआईएमईआर चंडीगढ़, डॉ. एसके गोयल वैज्ञानिक जी व प्रमुख, सीएसआईआर-एनईईआरआई, दिल्ली, डॉ. विजय सोनी वैज्ञानिक जी, भारत मौसम विज्ञान विभाग –आईएमडी, नई दिल्ली, डॉ. सचिन घुड़े वैज्ञानिक एफ, आईआईटीएम पुणे, सुरुचि भदवाल डायरेक्टर, ट्राई को शामिल किया गया है। जबकि केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान व पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के सदस्य सचिवों को भी इस कमेटी में शामिल किया गया है। जबकि डॉ. विकास सिंह वैज्ञानिक ई, सीएक्यूएम को कमेटी का मेंबर-कन्विनर नियुक्त किया गया है। वहीं, उच्च स्तरीय विशेषज्ञ सब-कमेटी हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के उन सीमावर्ती क्षेत्रों की पहचान करेगी, जहां स्थित प्रदूषण के स्रोत दिल्ली-एनसीआर की वायु गुणवत्ता को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर रहे हैं।

कड़े कदम उठाए जाएंगे

उच्च स्तरीय विशेषज्ञ सब-कमेटी इन इलाकों में होने वाली मुख्य औद्योगिक, कृषि या अन्य प्रदूषणकारी गतिविधियों को चिह्नित करेगी। दूसरी ओर, सीएक्यूएम द्वारा जारी दिशानिर्देशों के अनुसार, इस नवनिर्मित विशेषज्ञ सब-कमेटी को अपनी गहन अध्ययन रिपोर्ट आगामी दो महीने के भीतर आयोग के समक्ष प्रस्तुत करनी होगी। इस रिपोर्ट के आधार पर आगामी सर्दियों के मौसम में एनसीआर और आसपास के जिलों में प्रदूषण नियंत्रण के लिए कड़े कदम उठाए जाएंगे।

आर्य कॉलेज में सजेगा 49वें जोनल युवा महोत्सव का महामंच

- 14 से 16 अक्टूबर चलने वाले उत्सव में 70 कॉलेजों के 2000 विद्यार्थी भाग लेंगे, 40 विधाओं का होगा आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत



पानीपत। आर्य कॉलेज के प्राचार्य डॉ जगदीश गुप्ता, उपाचार्य डॉ अनुराधा, डॉ रामनिवास प्रेस वार्ता करते हुए। फोटो : हरिभूमि

कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरूक्षेत्र के युवा एंव सांस्कृतिक विभाग के निर्देशानुसार आर्य पीजी कॉलेज, पानीपत में करनाल जोन के महोसत्व का आयोजन आने वाली 14 से 16 अक्तूबर को किया जाएगा। कॉलेज प्राचार्य प्रो. डॉ. जगदीश गुप्ता ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी देते हुए बताया कि यह आर्य कॉलेज व पूरे पानीपत जिले के लिए गर्व का विषय है कि इस वर्ष का 49 वां जोनल युवा महोत्सव पानीपत के आर्य कॉलेज में आयोजित किया जाएगा। प्रो.डॉ. गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि करनाल जोन के जोनल युवा महोत्सव मे करनाल व पानीपत के 70 महाविद्यालयों के लगभग 2000 प्रतिभागी तीन दिन चलने वाले इस युवा महोत्सव में 40 विधाओं में अपनी प्रतिभा छटा बिखेरेंगे। डॉ. गुप्ता ने यह भी बताया की युवा महोत्सव का शुभारंभ कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.डॉ. सोमनाथ सचदेवा करेगे। । आर्य कॉलेज के युवा एवं सांस्कृतिक विभाग के निदेशक डॉ. रामनिवास ने जानकारी देते हए बताया कि करनाल जोन के जोनल युवा महोत्सव में आर्य पीजी कॉलेज गत 20 वर्षों से प्रथम स्थान, इंटर जोनल युवा महोत्सव में पिछले 14 वर्षों से प्रथम स्थान और गत वर्ष ऑल इंडिया इंटर यूनिर्वसिटी यूथ फेस्टीवल में आर्य कॉलेज ने कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करते हुए इतिहास में पहली बार कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय को ओवर ऑल चैंपियन बनाकर अपनी अमिट छाप बनाई है। इसके साथ ही साउथ एशियन इंटर यूनिर्वसिटी में भी आर्य कॉलेज के विद्यार्थी शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का लोहा मनावा रहे हैं। उपाचार्या डॉ.अनुरारधा सिंह ने बताया कि 49वां जोनल युवा महोत्सव ऐतिहासिक होगा।

पूर्वांचलियों के आंदोलन को संतों ने समर्थन दिया



पानीपत। पानीपत जंक्शन पर पूर्वांचल एवं मजदूर समाज की ट्रेनों के ठहराव की मांग को लेकर दो अक्टूबर से जारी दिन-रात के धरने पर पहुंच कर ब्राह्मण परिवार पानीपत के संस्थापक लालमणि पांडेय, चित्रकूट धाम श्रीराम मंदिर वार्ड आठ अशोक विहार कॉलोनी के अध्यक्ष व ज्योतिषाचार्य पं.देवनारायण उपाध्याय, उपप्रधान सुरेंद्र शास्त्री, सोहनानंद, मदन व्यास, परशुराम अवस्थी और शिवाधर दुबे सहित अन्य पुजारियों ने समर्थन दिया। आंदोलनकारियों उमाशंकर राय, अवधेश यादव, मनोज सिंह, अनिकेत पांडेय, हरिओम शर्मा और पं. बीके उपाध्याय ने कहा कि ट्रेनों का ठहराव हजारों मजदूरों, यात्रियों और उनके परिवारों की सुविधा से जुड़ा मुद्दा है। उन्होंने सरकार से जल्द निर्णय लेने की मांग करते हुए कहा कि पानीपत में लाखों पूर्वांचली निवास कर रहे है, इसके मद्देनजर इनकी मांगों को पूरा किया जाए।

रामलीला का शुभारंभ किया

पानीपत। श्री आदर्श राम नाटक क्लब नूरवाला का 29वां वार्षिक रामलीला महोत्सव का शुभारंभ हो गया। इस अवसर पर समाजसेवी संजय चौधरी, सुरेंद्र छाबड़ा, शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, समाजसेवी गुरू हाजी साधना, विनोद जुनेजा द्वारा किया गया। सभी अतिथियों का क्लब पदाधिकारियों द्वारा फूलमालाओं से स्वागत कर स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर क्लब के प्रधान सचिन खन्ना विक्की, संरक्षक संतलाल हुडिया, श्याम सुंदर जावा, तुलसीदास खन्ना, कपिल शर्मा, कृष्णा मल्होत्रा, जगदीश खुराना, गुलशन हुडिया, अजय बठला जॉनी आदि उपस्थित रहे।

सीता स्वयंवर का मंचन

पानीपत। श्री सायंकाल रामलीला लैय्या सभा की ओर से आईबी कॉलेज के प्रांगण में सीता स्वयंवर का मंचन किया गया। वहीं, श्रीराम की भूमिका योगेश शर्मा, सीता की गर्वित और लक्ष्मण की भूमिका सागर ने निभाई। समाजसेवी जगदीश जैन और विजय जैन मुख्य अतिथि रहे तथा दुर्गेश शर्मा ने मंच संचालन किया। इस अवसर पर महामंत्री युधिष्ठिर शर्मा, स्वामी अरुण दास, युधिष्ठिर शर्मा, गजेंद्र सलूजा, जगदीश शर्मा, जगदीश चराया, दुर्गेश शर्मा, लक्की अरोड़ा, इशांत शर्मा और नितिन नंदा सहित अनेक सेवक मौजूद रहे।



इसराना। मार्किट कमेटी ऑफिस पर ताला लगाते किसान। फोटो :हरिभूमि

भाकियू ने इसराना मार्केट कमेटी ऑफिस पर ताला लगाया

इसराना। नई अनाज मंडी गांव इसराना में धान की खरीद शुरू नहीं होने से नाराज भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारियों और किसानों ने किसान भवन पानीपत के प्रधान दिलबाग बिंझौल की अध्यक्षता में मार्केट कमेटी कार्यालय पर ताला जड़ दिया। तालाबंदी के चलते मार्केट कमेटी सचिव और अन्य अधिकारी करीब आधे घंटे तक कार्यालय के अंदर बंद रहे। किसानों ने सरकार और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी कर जल्द खरीद शुरू करवाने की मांग की। किसानों की समस्याएं जानने मंडी पहुंचे भाकियू पदाधिकारियों को किसानों ने बताया कि खरीद शुरू नहीं होने से उन्हें परेशानी हो रही है। सूचना मिलने पर इसराना थाना पुलिस मौके पर पहुंची, वहीं, किसान अपनी मांग पर अड़े रहे। आंदोलन में किसान नेता राजेंद्र बांगड़, गजे सिंह नारा, स्वामी इग्नेश, ओम बिंझौल, किताब सिंह, दयानंद जाटल, ईश्वर डाहर, सुनील जींद, चंद्रभान पाथरी, फतेह सिंह, मामचंद आदि किसानों ने भाग लिया।

रक्तदान करना हर स्वस्थ्य नागरिक का मानवीय कर्तव्यः डॉ. गुप्ता

- इंद्रप्रस्थ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस में रक्तदान शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत



पानीपत। इंद्रप्रस्थ मेडिकल कॉलेज में रक्तदाता का हौंसला बढाते हुए चिकित्सक।

राष्ट्रीय स्वैच्छिक रक्तदान दिवस के अवसर पर जीटी रोड स्थित इंद्रप्रस्थ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे सेवा पखवाड़ा सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित शिविर में डॉक्टर्स, चिकित्सा कर्मियों, विद्यार्थियों और स्थानीय नागरिकों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया। शिविर का आयोजन ब्लड ट्रांसफ्यूजन ऑफिसर डॉ.अंकिता धवन और मेडिकल ऑफिसर डॉ.मेघा गुलिया की देखरेख में हुआ। संस्थान की मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ.नीलिमा राणा ने कहा कि रक्तदान से जरूरतमंदों का जीवन बचाने के साथ समाज में सेवा और एकजुटता का संदेश मिलता है। निदेशक डॉ.हरिओम गुप्ता ने रक्तदाताओं की सराहना करते हुए कहा कि संस्थान समाजोपयोगी कार्यों के लिए सदैव तत्पर रहेगा। वहीं, जरूरतमंदों के लिए रक्तदान करना हर नागरिक का मानवीय कर्तव्य है।

भाकियू, कांग्रेसी, जजपा नेता डिटेन, पुलिस ने जीटी रोड से पकड़ कर घरों पर नजरबंद किए

पानीपत। पानीपत से दिल्ली में सीजेपी के प्रदर्शन में शामिल होने के लिए जा रहे भाकियू, कांग्रेस व जजपा नेताओं को पुलिस की टीमों ने शनिवार को रास्ते में ही डिटेन कर लिया। किसान नेताओं बिंटू मलिक निवासी गांव उग्रा खेड़ी, अनिल कादियान निवासी गांव सिवाह, काला निवासी गांव महावटी, राजेश निवासी गांव चंदौली, प्रदीप निवासी गांव इसराना, प्रताप ने आरोप लगाया कि गन्नौर के पास थाना चांदनी बाग पुलिस ने उनकी गाड़ियों के आगे अपने वाहन अडा कर उन्हें हिरासत में लिया और अपने वाहनों में सवार कर उन्हें गांव सिवाह के एक घर में नजरबंद रखा। किसान नेताओं का आरोप है कि पुलिस ने उनकी गाड़ियों के नंबर और लोकेशन के आधार पर उनकी गतिविधियों पर नजर रखी। उन्हें रोकने के लिए मुखबिरी भी की गई। दूसरी ओर, थाना शहर पुलिस ने कांग्रेस के शहरी जिलाध्यक्ष बलजीत को उनके ही घर में नजरबंद रखा। जबकि वरिष्ठ कांग्रेसी नेता डॉ ओमवीर पंवार व इनके साथियों को दिल्ली जाते समय रास्ते से पकड कर नजरबंद किया। इधर, जजपा के छात्र संगठन इनसो के प्रदेश उपाध्यक्ष राजेंद्र जैलदार को दूसरे दिन भी थाना मतलौडा पुलिस ने थर्मल पुलिस चौकी में नजरबंद रखा।



पानीपत। पुलिस की हिरासत में भाकियू नेता। फोटो : हरिभूमि

समय की मांगानुसार स्वयं को अपडेट करते रहे शिक्षकः डॉ. अनु

- एसडीवीएम, हुडा में टीचर्स को विशेषज्ञों ने थ्योरी ऑफ नॉलेज विषय पर ट्रेनिंग दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत



पानीपत। एसडीवीएम, हुडा की प्राचार्या डॉ. अनु व ट्रेनर्स के साथ टीचर्स।

एसडी विद्या मंदिर, हुडा में 'थ्योरी ऑफ नॉलेज' विषय पर एक दिवसीय सीबीपी प्रशिक्षण कार्यक्रम हुआ। इसका उद्देश्य यह रहा कि कक्षा में विद्यार्थियों को केवल तथ्यों को रटाने के बजाय यह समझाया जाए कि ज्ञान कैसे अर्जित किया जाए, उस पर कैसे प्रश्न उठाए जाए और उसे वास्तविक जीवन में कैसे लागू किया जाए। कार्यक्रम का बतौर संसाधन व्यक्ति नरेंद्र कुमार व सत्य चौधरी ने शिक्षकों को बताया कि विद्यार्थी किस प्रकार ज्ञान प्राप्त करते हैं और सीखी गई बातों को अपने जीवन में कैसे उपयोग कर सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों में सोचने-समझने, प्रश्न पूछने और स्वयं सीखने की आदत विकसित करने पर जोर दिया। वहीं, सत्रों को विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से रोचक और संवादात्मक बनाया गया, जिससे शिक्षकों को नई बातें सीखने और अपने शिक्षण के तरीकों को बेहतर बनाने का अवसर मिला। वहीं, एसडीवीएम की प्राचार्या डॉ. अनु गुप्ता ने संसाधन व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया और कहा कि विद्यार्थियों को सशक्त करने के लिए शिक्षकों का सशक्त होना बहुत जरूरी है। समय की मांगानुसार शिक्षक स्वयं को अपडेट करते रहे।

रात दस बजे के बाद किसी भी समारोह में नहीं बजेगा डीजे

पानीपत। पानीपत जिला के शहरी व ग्रामीण अंचल में शादी समारोह और निजी कार्यक्रमों में रात 10 बजे के बाद तेज आवाज में डीजे बजाने पर पुलिस विभाग ने प्रतिबंध लगा दिया है। आदेश का पालन नहीं करने वालों पर संबंधी थाना पुलिस शिकायत मिलने पर कानूनी कार्रवाई करेगी। स्मरणीय है कि पानीपत जिला में अनेक लोगों ने पुलिस को देर रात तक डीजे बजाए जाने से परेशानी होने की शिकायतें दे रखी थी। शिकातयों के मद्देनजर पानीपत ट्रैफिक पुलिस ने शनिवार को रात के समय ध्वनि प्रदूषण रोकने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने शहर के करीब 300 डीजे संचालकों को बुलाकर नियमों की जानकारी दी।



पानीपत। कल्याणी एजुकेशन वेलफेयर ट्रस्ट से हरित सारथी सम्मान ग्रहण करते हुए ग्रीनमैन प्रो. दलजीत। फोटो : हरिभूमि

ग्रीनमैन प्रो. दलजीत को मिला 'हरित सारथी सम्मान

पानीपत। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में पिछले 12 वर्षों से निरंतर योगदान दे रहे देश बंधु गुप्ता राजकीय महाविद्यालय, पानीपत के इतिहास विभाग में कार्यरत सहायक प्रो. दलजीत कुमार को कल्याणी एजुकेशन वेलफेयर ट्रस्ट की ओर से 'हरित सारथी सम्मान–2026' से सम्मानित किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष संदीप कल्याणी अपनी टीम के साथ महाविद्यालय पहुंचे और प्रो. दलजीत को सम्मान प्रदान किया। वहीं, ट्रस्ट के पर्यावरण ब्रांड एंबेसडर के रूप में उनके तीन वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में यह सम्मान दिया गया। वहीं, प्रो. दलजीत ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण उनके लिए केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जीवन का महत्वपूर्ण उद्देश्य है। पिछले 12 वर्षों से वे पौधारोपण, प्रकृति संरक्षण और जनजागरूकता के माध्यम से लोगों को पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित कर रहे हैं।

आर्यन मिस्टर फ्रेशर व लक्ष्मी बनी मिस फ्रेशर

रादौर। ग्लोबल रिसर्च ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस नाचरौन(रादौर) में कोफ्यूजन फिएस्टा थीम पर फ्रेशर्स पार्टी का आयोजन किया गया। फ्रेशर पार्टी का आयोजन नए विद्यार्थियों के स्वागत और उन्हें संस्थान के वातावरण से परिचित करवाने के उदेश्य से किया गया। फ्रेशर पार्टी में संस्थान के चेयरमैन सीए एसके जिंदल ने मुख्यातिथि के रुप में भाग लिया। वहीं, विशिष्ठ अतिथि के रुप में संस्थान की वाइस चेयरमैन इंदु जिंदल मौजूद रही। कार्यक्रम का संचालन कॉर्डिनेटर फार्मेसी हेड डॉ. नेहा यादव ने की। मंच संचालन तवलीन कौर द्वारा किया गया। संस्थान समूह निदेशक डॉ. अश्विनी ढींगरा व निदेशक डॉक्टर लक्ष्य अग्रवाल द्वारा कार्यक्रम की अध्यक्षता की गई। संस्थान निदेशक डॉ. लक्ष्य अग्रवाल ने बताया कि फ्रेशर्स पार्टी में विद्यार्थियों द्वारा की गई मॉडलिंग ने सबको हैरान कर दिया।

तनाव से बचाव का ज्ञान दिया

पानीपत। देशबंधु गुप्ता राजकीय कॉलेज में विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर हेल्पिंग हार्ट काउंसलिंग सेल एवं मनोविज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'लिव्ड एक्सपीरियंसेज हर्ड : रियल वॉइसेज, रियल चेंज' विषय पर डीप ट्रांसफॉर्मेशन मास्टरक्लास का आयोजन किया गया। लोगों को तनाव से बचाव का ज्ञान दिया। जिसमें मुख्य वक्ता दीक्षांत हांडा, ब्रेन जिम्नास्टिक क्लब के संस्थापक, आइडेंटिटी ट्रांसफॉर्मेशन कोच एवं समग्र व्यक्तित्व विकास मार्गदर्शक, प्राचार्य सुभाष चंद जागलान, मनोविज्ञान विभाग की अध्यक्ष सुनीता चांद, संदीप कुमार, डॉ. शिवम धवन, अरविंद कुमार, विकास यादव आदि उपस्थित रहे।

एसडी विद्या मंदिर में वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया

हास्य कवि सम्मेलन में कवियों ने मानवता का संदेश दिया

विद्यार्थियों की प्रतिभा से अतिथि और अभिभावक हुए गदगद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पानीपत



पानीपत। एसडी विद्या मंदिर में कविता सुनाती कवियत्री डॉ. कीर्ति काले। फोटो : हरिभूमि

विद्यालय केवल शिक्षा प्राप्त करने का स्थान नहीं, बल्कि जीवन को सही दिशा देने वाला वह आंगन है, जहां सपने आकार लेते हैं, प्रतिभाएं निखरती हैं और संस्कारों की नींव मजबूत होती है। इन्हीं सपनों, उपलब्धियों और सुनहरी यादों को सहेजने के उद्देश्य से एसडी विद्या मंदिर, हुडा में वार्षिक समारोह व राष्ट्रीय स्तरीय हास्य कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन हुआ। जिसमें विद्यार्थियों की नृत्य, गायन और नाटकीय प्रतिभा, भारतीय संस्कृति की झलक और देश के जाने माने कवियों द्वारा दी गई हास्य प्रस्तुति का सुंदर समागम देखने को मिला। हास्य कवि सम्मेलन में कवियों ने मानवता का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हरियाणा भाजपा की प्रदेश अध्यक्षा डॉ. अर्चना गुप्ता ने शिरकत कर बच्चों का उत्साह बढ़ाया। जबकि श्री एसडी एजुकेशन सोसायटी के संरक्षक रोशन लाल मित्तल, सचिव नरेश गोयल, स्कूल प्रबंधक कमेटी के चेयरमैन सतीश चन्द्रा, वाईस चेयरमैन विकास गर्ग, सेक्रेटरी तुलसी सिंगला एवं स्कूल की प्राचार्या डॉ. अनु गुप्ता ने मुख्य अतिथि को पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका हार्दिक अभिनंदन किया। कार्यक्रम में श्री एस डी एजुकेशन सोसायटी की सभी संस्थाओं के पदाधिकारी और प्रधानाचार्य भी मौजूद रहे। जबकि राष्ट्रीय स्तरीय हास्य कवि सम्मेलन में सुप्रसिद्ध हास्य कवि अरुण जैमिनी, डॉ. कीर्ति काले, डॉ. पॉपुलर मेरठी, यशदीप कौशिक, अनिल अग्रवंशी, शम्भू शिखर, डॉ. प्रतीक गुप्ता ने अपनी हास्य कविताओं और चुटीली रचनाओं से मानवता की सेवा का संदेश दिया। विद्यार्थियों की प्रतिभा से अतिथि और अभिभावक गदगद हुए।

न्यायालय तहसीलदार-कम-संयुक्त-सब- रजिस्ट्रार पानीपत।

सुरेश पुत्र स्व0 रेतु राम पुत्र स्व0 बुन्दु मकान न0. 134/1, इंसार बाजार बाल्मीकि मौहल्ला पानीपत।

बनाम

जनरल पब्लिक

इस इश्तहार के माध्यम से हर आम व खास को सूचित किया जाता है कि सुरेश पुत्र स्व0 रेतु राम मकान न0. 134/1. इंसार बाजार बाल्मीकि मौहल्ला पानीपत ने एक दस्तावेज पंजीकृत हेतु इस कार्यालय में पेश किया है। जिसमे स्पष्ट रूप से बताया गया है कि श्री रेतु राम पुत्र श्री स्व0 बुन्दु का देहांत दिनांक 12/07/1975 को हो चुका है। तारो धर्मपत्नी रेतु राम व प्रेमो पत्नी स्व0 श्री बुन्दु व नन्द पुत्र स्व0 श्री रेतु राम की मृत्यु कई अरसो पहले हो चुकी है। रेतु राम पुत्र श्री स्व0 बुन्दु की मृत्यु उपरान्त 1 ही जायज वारिस है सुरेश पुत्र स्व0 रेतु राम पुत्र श्री बुन्दु है। जो कि एक अकेला वारिस है।

इनके इलावा मृतक रेतु राम् पुत्र स्व0 बुन्दु का अन्य कोई वारिस उत्तराधिकारी नहीं है। इसलिये हर आम व खास को इस इशाहार / नोटिस के माध्यम से सुचित किया जाता है कि उपरोक्त मृतक के बताये गये वारिस उत्तराधिकारी के बाबत कोई शक एंव एतराज हो तो वह स्वय / अधिवक्ता के माध्यम से इस नोटिस के प्रकाशन के उपरान्त 07 दिन के अन्दर-2 इस कार्यालय में कार्यदिवस के दिन अपनी आपत्ति पेश कर सकता है। अन्यथा उपरोक्त तथ्यो के आधार पर दस्तावेज का पंजीकरण कर दिया जायेगा।

यह नोटिस बाबत इश्तहार आज दिनांक 8/10/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मोहर द्वारा जारी किया गया।

तहसीलदार-कम-संयुक्त सब-रजिस्ट्रार, पानीपत।

खबर संक्षेप

निगरानी के लिए ड्रोन तैनात करने का निर्णय

अंबाला। कृषि निदेशक डॉ. वजीर सिंह ने बताया कि कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के दिशा-निर्देशन में फसल अवशेष जलाने की घटनाओं की प्रभावी निगरानी एवं रोकथाम के उद्देश्य से आधुनिक तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग के निर्देशों की अनुपालना में राज्य के प्रमुख धान उत्पादक जिलों में फसल अवशेष जलाने की घटनाओं की निगरानी के लिए ड्रोन तैनात करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने बताया कि प्रत्येक जिले में दो ड्रोन तकनीकी टीम के साथ उपलब्ध करवाए जाएंगे। ड्रोन की तैनाती दृश्या द्वारा की जाएगी तथा तकनीकी टीम लगभग 45 दिनों तक ड्रोन संचालन एवं निगरानी का कार्य करेगी। ड्रोन संचालन के दौरान ड्रोन नियम एवं प्रावधानों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

मतदाता बनने के लिए युवाओं ने भरे फार्म

शहजादपुर। भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारीके निर्देशानुसार निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी एवं उपमंडल अधिकारी (नागरिक) शिवजीत भारती के मार्गदर्शन में नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र के शैक्षणिक संस्थानों में विशेष मतदाता शिविर आयोजित किए जा रहे है। इन शिविरों में 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके पात्र युवाओं के नए मतदाता पंजीकरण के लिए प्रपत्र संख्या-6 भरवाए गए। राजकीय महाविद्यालय नारायणगढ़ में विगत दिवस इसी प्रकार का एक कैंप आयोजित किया गया। जिसमें विद्यार्थियों तनु, रविंदर कौर, ज्योति, मुस्कान, रमनदीप, मानवी, शीतल, रितु, ऋतिकेश, अनुज शर्मा और पूजा ने मतदाता बनने के लिए आवेदन किया।

भूगोल प्रश्नोतरी प्रतियोगिता हुई

बराड़ा। अकाल अकादमी होली एट में शनिवार को अंतर-सदनीय भूगोल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कलगीधर ट्रस्ट बड़ू साहिब द्वारा संचालित विद्यालयै में आयोजित इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपनी भौगोलिक समझ, सामान्य ज्ञान और त्वरित निर्णय लेने की क्षमता का शानदार प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों में सवालों के सही जवाब देने को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। प्रतियोगिता चार वर्गों में आयोजित की गई। प्रश्नोत्तरी में देशों, महाद्वीपों, महासागरों, भौगोलिक अवधारणाओं और विश्व के प्रमुख स्थलों से संबंधित सवाल पूछे गए।

सुने घर से लाखों का सामान ले उड़े चोर

जींद। कृष्णा कालोनी में परिवार के लोग अयोध्या दर्शन के लिए गए थे। पीछे से चोरों ने मकान का ताला तोड़ कर नकदी, सोने व चांदी के जेवरात समेत लाखों रुपये कीमत का सामान चोरी कर लिया। शहर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कृष्ण कालोनी निवासी यमन ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह परिवार समेत अयोध्या राम मंदिर के दर्शन करने गया हुआ था। पीछे से चोरों ने मकान का ताला तोड़ कर पचास हजार की नकदी, दो सोने के कड़े सोने का टिकड़ा समेत अन्य सामान गायब मिला। घटना का पता घर वापस लौटने पर चला।

रेलगाड़ियां रद्द होने से यातायात पर पड़ा बुरा असर

सीजेपी के आंदोलन की वजह से दिल्ली जाने वाली दस ट्रेन रद्द, यात्री परेशान

- अधिकारी बोले-सुरक्षा कार्य के लिए ब्लॉक की वजह से रद्द करनी पड़ी ट्रेनें

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के दिल्ली में आंदोलन की वजह से शनिवार को रेल यातायात पूरी तरह से ठप रही। दिल्ली जान वाली दर्जनों प्रमुख ट्रेनों को रद्द कर दिया है। राजधानी में प्रदर्शन के दौरान जुटने वाली भीड़ को आयोजन स्थल तक पहुंचने से रोकने के उद्देश्य से ट्रेनों के निरस्त करने की बात कही जा रही है। हालांकि मामले पर अधिकारी स्पष्ट जबाव देने से बच रहे हैं। रेलवे के अनुसार ट्रेनों का यह निरस्तीकरण सुरक्षा व संरक्षा को ध्यान में रखते हुए स्टेशनों और रेल ट्रैक पर चल रहे रखरखाव और तकनीकी ब्लॉक के कारण किया गया है। उत्तर रेलवे की सूची के अनुसार 10 अक्तूबर को दिल्ली, नई दिल्ली और हजरत निजामुद्दीन आने-जाने वाली प्रमुख प्रीमियम, सुपरफास्ट व एक्सप्रेस ट्रेनों का परिचालन ठप रहा। कई ट्रेनों को रैक उपलब्ध न होने के कारण रद्द घोषित किया गया है। रेलवे नोटिस के अनुसार 10 अक्तूबर को नई दिल्ली और निजामुद्दीन से संचालित होने वाली प्रमुख ट्रेनों ट्रेन नंबर 12058 / 12057 दौलतपुर चौक-नई दिल्ली-दौलतपुर चौक जनशताब्दी एक्सप्रेस, 12056 देहरादून-नई दिल्ली देहरादून एक्सप्रेस, 12014/12006 अमृतसर-नई दिल्ली और कालका-नई दिल्ली शताब्दी एक्सप्रेस, 12033/12034 कानपुर सेंट्रल-नई दिल्ली व नई दिल्ली-कानपुर शताब्दी एक्सप्रेस, 82501/82502, 14211/12420, 15303/15305/15306/15307 पैसेंजर, 20451/12452, 22182/12190/12122, 12560/12582, 12418/12276, 12448, 12302, 12314, 20802, 12310/12394/22362, 12445/22461/04081 नई दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा उत्तर संपर्क क्रांति व स्पेशल ट्रेन को रद्द किया है। अंबाला मंडल के वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक यशनजीत सिंह ने बताया कि रेलवे लाइनों पर चल रहे सुरक्षा कार्य को लेकर अलग-अलग जगह पर ब्लॉक लिए गए हैं। इसलिए ट्रेनों को रद्द करने का फैसला किया गया है। इसके तहत कंफर्म टिकट यात्रियों को संदेश भेजे जा रहे हैं। वहीं स्टेशन पर भी टिकट रिफंड के लिए कर्मचारियों की तैनाती की गई है।



अंबाला। वीरान पड़ा रेलवे स्टेशन। फोटो: हरिभूमि

स्टेशन पर भटकते मिले यात्री

दिल्ली जाने वाली प्रमुख ट्रेनों के रद्द होने से अंबाला छावनी के रेलवे स्टेशन पर शनिवार को ज्यादातर यात्री भटकते मिले। ज्यादातर यात्रियों का आरोप था कि ट्रेनें रद्द होने की रेलवे की ओर से कोई सूचना नहीं आई है। हालांकि रेलवे की ओर से सभी कंफर्म टिकट वाले यात्रियों को सूचना भेजने की बात कही है। कई यात्रियों को बेहद जरुरी काम की वजह से दिल्ली व उससे आगे जाना था। मगर ट्रेनों के रद्द होने से उन्हें वैकल्पिक साधनों का इस्तेमाल करना पड़ा। दिल्ली जाने वाले सुरेंद्रपाल व शोभित ने बताया कि रेलवे स्टेशन पर आने के बाद ही उन्हें ट्रेन कैंसिल होने की सूचना मिली। दोनों यात्रियों ने कहा कि बेहद जरूरी काम के लिए उन्हें दिल्ली जाना था। अब उन्हें दिल्ली जाने लिए बस या फिर दूसरे साधन का इस्तेमाल करना पड़ेगा। इसी तरह दूसरे यात्रियों ने भी व्यवस्था को जमकर कोसा। यात्रियों ने कहा कि सीजेपी के आंदोलन की वजह से रेलवे को अचानक ट्रेनें रद्द नहीं करनी चाहिए थी। उल्टा इससे तो रेलवे को फायदा होता। उन्होंने कहा कि रेलवे के ऐसे फैसलों से विभाग को ही नुकसान हो रहा है।

अंबाला : यात्रावृत्त संग्रह यात्राओं के इंद्रधुनष पुरस्कार के लिए चयनित

- साहित्यकार एवं यात्रा लेखक डॉ. प्रदीप शर्मा व अनीता शर्मा स्नेही ने संयुक्त रूप से लिखा पहला यात्रावृत संग्रह

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला


प्रदीप शर्मा व अनीता शर्मा स्नेही।

साहित्यकार एवं यात्रा लेखक डॉ. प्रदीप शर्मा ' स्नेही ' और अनीता शर्मा ' स्नेही ' को यात्रा साहित्य में योगदान पर उनके संयुक्त रूप से लिखे गए पहले यात्रावृत्त संग्रह ' यात्राओं के इंद्रधुनष ' को हरियाणा साहित्य अकादमी द्वारा विभिन्न विधाओं और भाषाओं की साहित्यिक कृतियों को पुरस्कृत करने की योजना के अंतर्गत चयनित किया गया है।उल्लेखनीय है एसए जैन. कॉलेज के पूर्व प्राचार्य डॉ. प्रदीप शर्मा ' स्नेही ' की अब तक चौबीस पुस्तकें साहित्य की विभिन्न विधाओं में प्रकाशित होने के साथ-साथ लगभग 2000 विभिन्न विधाओं की रचनाएं देश के विभिन्न पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुकी हैं।इनमें से तीन पुस्तकें हरियाणा साहित्य अकादमी और एक पुस्तक हरियाणा ग्रंथ अकादमी के सौजन्य से प्रकाशित हुई।उनकी जीवनसंगिनी देव समाज गर्ल्स कॉलेज की पूर्व प्राचार्या अनीता ' स्नेही' की साहित्य अकादमी के सौजन्य से प्रकाशित कविता संग्रह के साथ- साथ चार पुस्तकें प्रकाशित हुई हैं।डॉ. स्नेही विगत पचास वर्षों से यात्रा साहित्य पर कार्य कर रहे हैं।उनकी पूर्वी अफ्रीका के वन अभयारण्यों और कुमायूं गढ़वाल हिमालय की विभिन्न घाटियों की शोधयात्राओं पर आधारित पहला यात्रावृत्त संगह ' किलीमंजारो से हिमालय तक' 2005 में हरियाणा साहित्य अकादमी के सौजन्य से प्रकाशित हुआ था। 2021 में कनाडा यात्रा पर आधारित उनका दूसरा यात्रावृत्त संग्रह ' हेलीफैक्स से ल्यूनेनबर्ग तक' प्रकाशित हुआ।2022 से डॉ. प्रदीप ' स्नेही ' ने अपनी जीवन साथी अनीता ' स्नेही ' के साथ संयुक्त रूप से यात्रावृत्त लिखने आरंभ किए।

गौरव की बात

सेवाकाल की पूर्णता के बाद से स्नेही दम्पत्ति निरंतर देश- विदेश के विभिन्न क्षेत्रों की यात्राओं करने के बाद वहां की जीवनशैली , लोक संस्कृति , लोक मान्यताएं और प्रकृति प्रदत्त सुषमा से आप्लावित प्राकृतिक स्थलों और प्राच्य एवं ऐतिहासिक स्थलों के विवरण को अपने यात्रावृतों में खूबसूरती से पिरो रहे हैं। स्नेही दंपति का सम्मानित होना उनकी सतत साहित्य सेवा का प्रतिफल है और निश्चित रूप से जिले के लिए गौरव की बात है।सेवा निवृति के बाद भी स्नेही दम्पति निरंतर समाज सेवा के विभिन्न प्रकल्पों, लेखन और यायावरी से जुड़े रह कर समय का सदुपयोग कर रहे हैं।

बीमार गाय के साथ क्रूरता

- सीसीटीवी कैमरों की जांच में डेयरी संचालक की पहचान, माफी मांगकर छुड़ाई जान

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

अंबाला शहर के रेलवे रोड के पास बीमार गाय के साथ कथित क्रूरता का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल 1.46 मिनट के वीडियो में दो व्यक्ति गाय को डंडे मारते और उसकी पूंछ पकड़कर खींचते दिखाई दे रहे हैं। गाय जमीन पर गिर जाती है, इसके बावजूद उसे उठाने के लिए डंडे का इस्तेमाल किया जाता है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद गौ सेवा से जुड़ी संस्थाओं ने पुलिस को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। श्री कृष्ण गौ सेवा सोसायटी के प्रधान मोनू चावला के अनुसार वंदे मातरम दल के प्रधान भरत को फोन पर सूचना मिली थी कि रेलवे रोड पर एक गाय बीमार और घायल अवस्था में पड़ी है। इसके बाद गौ सेवकों की टीम मौके पर पहुंची और गाय का उपचार कराया। पुलिस चौकी नंबर-2 के इंचार्ज एएसआई अरुण कुमार ने बताया कि कृष्ण गौ सेवा सोसायटी की ओर से देर रात फोन पर सूचना और लिखित शिकायत मिली थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि दूध देने में असमर्थ और बीमार हो चुकी गाय को घर से बाहर निकाल दिया गया। इसके बाद पुलिस टीम को मौके पर भेजा गया। सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई। फुटेज के आधार पर अंबाला शहर के अकब सराय के सुमित को बुलाकर पूछताछ की।

मालिक के बारे में जानकारी जुटाई

आसपास के लोगों से पूछताछ के दौरान गाय के मालिक के बारे में जानकारी जुटाई गई। इसके बाद सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की गई जिसमें गाय के साथ मारपीट किए जाने की घटना सामने आई। वायरल वीडियो में एक व्यक्ति सिर पर भगवा रंग का गमछा बांधे दिखाई देता है। उसके हाथ में डंडा है। वह गाय को डंडे मारता है। उसकी पूंछ पकड़कर दूसरी तरफ खींचने लगता है। इसी दौरान पूंछ को तेजी से खींचने पर गाय जमीन पर गिर जाती है। इसके बाद दूसरा व्यक्ति भी वहां पहुंचता है और साथी के हाथ से डंडा लेकर गाय को उठाने की कोशिश करता है। दूसरा व्यक्ति गाय की पूंछ पकड़कर उसे उठाने का प्रयास करता रहता है। वीडियो में गाय की खराब हालत के बावजूद उसे खींचने और उठाने की कोशिश दिखाई देती है।

11 हजार केवी की हाईवोल्टेज लाइन बनी हादसे की वजह

हरिभूमि न्यूज ⏭ बराड़ा

हाईवोल्टेज करंट से जेठानी की मौत, हादसे में देवरानी बेहोश

नए मकान में लेंटर डालने की चल रही थी तैयारी


मृतक महिला की फाइल फोटो।

- गांव अधोया हिंदुआन में घर बनाने की खुशियां मातम में बदली

गांव अधोया हिंदुआन में घर बनाने की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं जब घर के ऊपर से गुजर रही हाईवोल्टेज बिजली की तार की चपेट में आने से एक विवाहिता की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि उसकी देवरानी करंट का झटके लगते ही बेहोश हो गई। यह हादसा उस समय हुआ, जब परिवार नए मकान पर लेंटर डालने की तैयारी में जुटा था। घटना के बाद घर में चीख-पुकार मच गई। परिवार की खुशियां पलभर में मातम में बदल गईं। गांव अधोया हिंदुआन के तोलांवली रोड पर सुभाष अपने नए मकान का निर्माण करवा रहे थे। शनिवार को छत पर लेंटर डालने के लिए सरिए का जाल बिछाया गया था। शाम को काम पूरा होने के बाद बाकी बचे हुए सरिये को संभालकर रखा जा रहा था। बताया जा रहा है कि इसी दौरान सुभाष की पत्नी रितु जब सरिया उठाने लगी तो वह मकान के ऊपर से गुजर रही 11 हजार केवी की हाईवोल्टेज बिजली की तार को छू गया। उस सरिए में करंट आने से रितु बुरी तरह झुलस गई। यह हादसा इतना अचानक हुआ कि परिवार के लोगों को संभलने का मौका तक नहीं मिला। रितु को करंट की चपेट में आया देखकर उसकी देवरानी भी बेहोश हो गई। परिजन आनन-फानन में दोनों को अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां चिकित्सकों ने रितु को मृत घोषित कर दिया। देवरानी का एमएम अस्पताल में उपचार चल रहा है।

बिजली लाइनों को हटाने की मांग

घटना पर दुख जताते हुए अधोया के सेवानिवृत्त सब इंस्पेक्टर दलीप सिंह ने घरों के ऊपर से गुजर रही हाईवोल्टेज बिजली लाइनों को हटाने की मांग की। उन्होंने कहा कि ऐसी लाइनें लोगों की जान के लिए गंभीर खतरा बनी हुई हैं। इस हादसे ने एक बार फिर रिहायशी इलाकों में गुजर रही हाईवोल्टेज लाइनों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। उधर थाना प्रभारी रामकरण सैनी ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। पोस्टमार्टम के बाद महिला का शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

नमी के नाम पर काटे जा रहे रुपये, पोर्टल सिस्टम ने बढ़ाई किसानों की मुश्किलें : अर्जुन

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

इनेलो नेता व रानियां विधानसभा क्षेत्र से विधायक चौधरी अर्जुन चौटाला ने शनिवार को अंबाला छावनी की अनाज मंडी का दौरा किया। यहां उन्होंने किसानों से बातचीत कर धान खरीद और उठान में आ रही समस्याओं को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि मंडियों में धान की समय पर लिफ्टिंग नहीं हो रही। नमी के नाम पर किसानों के पैसे काटे जा रहे हैं और फसल बेचने के लिए पोर्टल पर फिंगरप्रिंट जैसी प्रक्रिया से किसानों को परेशानी उठानी पड़ रही है। चौटाला ने कहा कि सरकार ने इन समस्याओं का समाधान नहीं किया तो इनेलो प्रदेशभर में बड़ा आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी लगातार सरकार से पोर्टल व्यवस्था बंद करने की मांग कर रही है। इसके लिए पार्टी ने जिला स्तर पर डीसी के माध्यम से ज्ञापन देने का फैसला किया था। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी अभय सिंह चौटाला राज्यपाल को भी ज्ञापन देने पहुंचे थे। इसके बावजूद किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि पार्टी इस बार सरकार को आखिरी चेतावनी देगी। यदि पोर्टल व्यवस्था बंद नहीं हुई, समय पर लिफ्टिंग शुरू नहीं हुई और किसानों का पूरा धान नहीं खरीदा गया तो किसानों के साथ मिलकर प्रदेश स्तर पर आंदोलन किया जाएगा। चौटाला ने कहा कि मंडियों में नमी के नाम पर किसानों के पैसे काटे जा रहे हैं। सरकार को कटौती करने की बजाय मंडियों में धान सुखाने के लिए ड्राइंग यूनिट लगाने चाहिए।


अंबाला। किसानों से बातचीत करते विधायक अर्जुन चौटाला।

जागरूकता ही एड्स से बचाव : गिल

- नशा एवं एचआईवी पर नाटक के द्वारा लोगों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ जींद

पितृ अमावस्या के दिन गांव पांडु पिंडारा में शनिवार को यूथ एजुकेशन सोसाइटी के कलाकारों ने नशा एवं एचआईवी एड्स पर लोगों का मनोरंजन करते लोगों को जागरुक भी किया। जिसमें किरण गिल ने एक काउंसलर की भूमिका निभाते हुए बताया कि एचआईवी एड्स किन कारणों से फैलती है, इनके लक्षण क्या है और एचआईवी एड्स से कैसे बचा जा सकता है। लोगों को बताया गया कि अहम बात यह है कि बचाव ही इलाज है। इस नाटक में एक कहानी में बताया गया कि अगर कोई बच्चा बाहर पढ़ रहा है तो हमें उसका ध्यान रखना चाहिए और समय- समय पर हमें उससे मिलते रहना चाहिए। क्योंकि जो बच्चा बाहर पड़ता है, हम उस पर ज्यादा ध्यान नहीं दे पाते हैं और वह किसी बुरी संगति में पड़ के नशे का आदि हो जाता है और एचआईवी वायरस की चपेट में आ जाता है। इसलिए समय-समय पर बच्चे का ध्यान रखें और उसे पढ़ाई के साथ साथ अच्छे संस्कार भी देने चाहिए। क्योंकि पढ़ाई जैसे हमारे जीवन में पूरी जिंदगी काम आती है, वे ही संस्कार भी हमारी जिंदगी का अहम हिस्सा हैं। इसलिए दोनों ही चीज जिंदगी में होनी जरूरी है। इस प्रकार कलाकारों ने बहुत ही अच्छे तरीके से नाटक प्रस्तुत किया एवं लोगो का हंसी मजाक व डांस के माध्यम से लोगो को जागरूक किया। कलाकारों की भूमिका रमेश सैनी, किरण गिल, हारमोनियम मास्टर राजेंद्र, ढोलक मास्टर प्रकाश एवं सीमा मौजूद रहे।


जींद। नृत्य के माध्यम से जानकारी देते किरण गिल व अन्य। फोटो :हरिभूमि

अनुदान के लिए किसान करें आवेदन

अंबाला। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा गन्ने की खेती को बढ़ावा देने और किसानों की आय में वृद्धि करने के उद्देश्य से गन्ना तकनीकी उद्देश्य परियोजना वर्ष 2026-27 चलाई जा रही है। इस संबंध में सहायक गन्ना विकास अधिकारी डॉ. अपूर्वा ने बताया कि योजना के तहत गन्ने की अधिसूचित एवं अनुशंसित किस्मों की उन्नत तकनीकों से बिजाई करने तथा रेटून (मूढ़ा) फसल के बेहतर प्रबंधन के लिए किसानों को अनुदान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रमोशन ऑफ वाइड रो स्पेसिंग यानी चार फीट चौड़ी कतारों में बिजाई, सिंगल बड एवं बड चिप विधि से बिजाई (केवल शरदकालीन बिजाई के लिए मान्य), फाउंडेशन सीड नर्सरी तथा बीज उपचार विधियों के माध्यम से गन्ने की बिजाई के प्रदर्शन प्लॉट लगाने वाले किसानों को 5,000 रुपये प्रति एकड़ की अनुदान राशि दी जाएगी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 8295154800, 9253681010, 9253681005

शिविर | मिक्की मॉडल स्कूल श्याम नगर में नि:शुल्क मेगा मेडिकल चेकअप कैंप का आयोजन किया

मेगा मेडिकल चेकअप कैंप में 650 लोगों ने करवाई स्वास्थ्य की जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ अंबाला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस एवं उनकी 25 वर्षों की जनसेवा को समर्पित सेवा संकल्प अभियान के तहत परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज के मार्गदर्शन में शनिवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा मिक्की मॉडल स्कूल, श्याम नगर में निशुल्क मेगा मेडिकल चेकअप कैंप का आयोजन किया गया। इसमें 650 लोगों ने अपनी स्वास्थ्य जांच करवाई। इस अवसर पर नगर परिषद की अध्यक्ष स्वर्ण कौर ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। कैंप में पहुंचने पर पीएमओ डॉ. पूजा एवं भाजपा पदाधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इस दौरान नगर परिषद अध्यक्षा ने डॉक्टरों द्वारा उपलब्ध करवाई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली। कैंप में पहुंचे लोगों से संवाद भी किया। स्वर्ण कौर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस एवं उनकी 25 वर्षों की जनसेवा को समर्पित सेवा संकल्प अभियान के तहत देशभर में 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक विभिन्न जनकल्याणकारी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी कड़ी में कैबिनेट मंत्री अनिल विज के मार्गदर्शन में इस निशुल्क मेडिकल चेकअप कैंप का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शिविरों से आमजन और जरूरतमंद लोगों को घर-द्वार के नजदीक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होती हैं जिससे उन्हें काफी लाभ मिलता है।



अंबाला। शिविर में आई नप चेयरपर्सन का अभिनंदन करते पार्टी कार्यकर्ता।

ये रहे मौजूद

कैंप के दौरान डॉक्टरों की टीम ने लोगों के स्वास्थ्य की जांच की। उन्हें निशुल्क मेडिकल टेस्ट और दवाइयों की सुविधा उपलब्ध करवाई। इसके साथ ही लोगों को अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच करवाने के लिए प्रेरित किया गया। शिविर का उद्देश्य आमजन को सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के साथ-साथ स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। इस मौके पर नगर परिषद के वाइस चेयरमैन ललता प्रसाद, बिजली बोर्ड निदेशक आरती सहगल, मंडल प्रभारी किरण पाल चौहान, नप सदस्य संजीव अत्री, मंडल अध्यक्ष विकास बहगल एवं हर्ष बिंद्रा, महामंत्री भरत कोछड़ एवं रामबाबू यादव, शास्त्री मंडल प्रधान प्रवेश शर्मा, वार्ड महिला मोर्चा की रितु वालिया भी उपस्थित रही।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 11 अक्टूबर 2026

संस्कृति-आस्था का उल्लास
नवरात्रों के बहुरंगी उत्सव


बंगाल की पारंपरिक दुर्गा पूजा


गुजरात में नवरात्र का महत्वपूर्ण अंग-डांडिया


ओडिशा के कटक में 'चांदी मेधा' से सजी मां दुर्गा की प्रतिमा


उत्तर भारत में नवरात्र के दौरान होता है रामलीला का आयोजन

शारदीय नवरात्र विशेष

भारत के विभिन्न स्थानों में नवरात्र मनाने के अलग-अलग तरीके हैं। ये इस बात के प्रमाण हैं कि हमारी संस्कृति कितनी समृद्ध और विविधतापूर्ण है। बंगाल की कलात्मकता, गुजरात का नृत्य, दक्षिण का गोलू और मैसूर का राजसी वैभव, सब मिलकर एक ही सनातन शक्ति की आराधना करते हैं। यह विविधता ही हमारे देश की असली पहचान और सुंदरता है। आइए भारत के विभिन्न राज्यों में नवरात्रों और दुर्गा पूजा के अनूठे और मनमोहक स्वरूपों पर एक नजर डालते हैं।

आवरण कथा
शिखर चंद जैन

विविधता में एकता का महापर्व नवरात्रों में होने वाली दुर्गा पूजा, भारत के सबसे बड़े और उल्लासपूर्ण त्योहारों में से एक है। यह केवल मां शक्ति की आराधना का पर्व नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक विविधता, धार्मिक, सामाजिक समरसता और उल्लास का भी जीवंत अवसर है। यद्यपि इस उत्सव का मूल भाव महिषासुर मर्दिनी मां दुर्गा की आसुरी शक्तियों पर विजय का उत्सव मनाना है, लेकिन देश के अलग-अलग राज्यों में इसे मनाने की शैलियां, परंपराएं और सांस्कृतिक रंग पूरी तरह भिन्न हैं।

बंगाल में दिखता है परंपरा-संस्कृति का संगम

पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा का रूप सबसे अधिक व्यापक, भव्य और पारंपरिक होता है। यहां यह उत्सव केवल पांच दिनों का नहीं, बल्कि पूरे साल की तैयारी का परिणाम होता है। पारंपरिक बंगाली घरों और पुराने अभिजात्य परिवारों (राजबाड़ी की पूजा) में आज भी मां दुर्गा की 'एकचाला' (एक ही अर्द्धवृत्त फ्रेम में सभी देवताओं की मूर्तियां) प्रतिमा स्थापित की जाती है। कोलकाता और अन्य शहरों में समकालीन कला, सामाजिक संदेशों या प्राचीन मंदिरों की प्रतिकृतियों पर आधारित विशाल पंडाल बनाए जाते हैं, जिन्हें देखने के लिए देश-विदेश से लोग आते हैं। महाष्टमी के दिन नौ वर्ष से कम आयु की कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानकर उनकी विशेष पूजा की जाती है, जो नारी शक्ति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। धुनुची (धूप और नारियल के छिलकों से सुलगता पात्र) के साथ किया जाने वाला ऊर्जावान धुनुची नृत्य यहां का मुख्य आकर्षण है। वहीं, विजया दशमी के दिन विवाहित महिलाएं मां को सिंदूर अर्पित करने के बाद आपस में सिंदूर लगाकर सुखद भविष्य की कामना करती हैं।


महाराष्ट्र में नवरात्र के दौरान 'भोंडाला' खेलती महिलाएं

ओडिशा-असम में शक्तिपीठों की आराधना

पूर्वी भारत के राज्यों ओडिशा और असम में दुर्गा पूजा का अपना ही विशिष्ट और प्राचीन स्वरूप देखने को मिलता है। ओडिशा के कटक शहर में दुर्गा पूजा के दौरान मां की मूर्तियों के पीछे शुद्ध चांदी के कलात्मक मुकुट और झांकियां बनाई जाती हैं, जिन्हें 'चांदी मेधा' कहा जाता है। यहां का विसर्जन जुलूस अपनी भव्यता और संगीत आयोजन के लिए प्रसिद्ध है। जबकि असम में कामाख्या मंदिर और शक्तिपीठों के प्रभाव के कारण यहां मां दुर्गा की पूजा तांत्रिक और पारंपरिक विधि-विधान से की जाती है। यहां 'अंजली' और 'महाप्रसाद' वितरण का विशेष महत्व होता है।

गुजरात में होता है आयोजित गरबा-डांडिया का महाउत्सव

गुजरात में नवरात्रों में मां अंबा और मां दुर्गा की आराधना नृत्य और संगीत के माध्यम से की जाती है। नवरात्रों में युवक-युवतियां पारंपरिक परिधानों में सजकर मां की ज्योत (गरबी) के चारों ओर तालियों और लोकगीतों के साथ गरबा और डांडिया खेलते हैं। यह आयोजन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक मेल-मिलाप का सबसे बड़ा मंच बन जाता है, जहां युवा से लेकर बुजुर्ग तक पूरी ऊर्जा के साथ शामिल होते हैं।

महाराष्ट्र में होती है घटस्थापना और शस्त्र पूजा

महाराष्ट्र में नवरात्र और विजया दशमी का पर्व लोकमान्य तिलक द्वारा पुनर्जीवित सार्वजनिक गणेशोत्सव की तरह ही सामाजिक सहभागिता के साथ मनाया जाता है। अश्विन प्रतिपदा के दिन घरों में कलश स्थापना (घटस्थापना) और नौ दिनों तक अखंड दीप प्रज्वलित करने की परंपरा है। महाराष्ट्र में महिलाओं और विशेषकर युवतियों के लिए 'भोंडला' या 'हदस्तोत्सव' खेलने की अनूठी परंपरा है, जिसमें हाथी के चारों ओर घेरा बनाकर लोकगीत गाए जाते हैं। विजया दशमी के दिन यहां शमी के पत्तों (जिसे स्वर्ण माना जाता है) को एक-दूसरे को देकर शुभकामनाएं दी जाती हैं। इस अवसर पर औजारों तथा हथियारों की पूजा भी की जाती है।

दक्षिण भारत की शान है बोम्माइ गोलू और शाही दशहरा

दक्षिण भारत (विशेषकर तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश) में दुर्गा पूजा का स्वरूप कला और शाही इतिहास से जुड़ा हुआ है। तमिलनाडु और कर्नाटक में नवरात्र के दौरान घरों में सीढ़ीनुमा रैक बनाकर देवी-देवताओं, पौराणिक कथाओं और जीवन से जुड़ी गुड़ियों (बोम्माइ) को सजाया जाता है। इसे 'गोलू' कहा जाता है' जहां महिलाएं एक-दूसरे के घर जाकर हल्दी-कुमकुम और उपहार का आदान-प्रदान करती हैं। मैसूर पैलेस में मनाया जाने वाला दशहरा पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां विजया दशमी के दिन सजे-धजे हाथियों की सवारी निकाली जाती है, जिसमें मां चामुंडेश्वरी की स्वर्ण प्रतिमा को हाथी पर विराजमान कर भव्य जुलूस निकाला जाता है।


दक्षिण भारत में नवरात्र के दौरान बोम्माइ गोलू की सजावट

उत्तर भारत में रामलीलाओं की धूम

उत्तरी भारत में नवरात्रों का समापन रावण दहन और रामलीला के साथ विजया दशमी के रूप में मुख्य रूप से होता है। विशेष तौर पर उत्तर प्रदेश में इस दौरान जगह-जगह रामलीलाओं का आयोजन किया जाता है। प्राचीन काल से चली आ रही इस परंपरा का क्रेज आज भी है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू घाटी में मनाया जाने वाला दशहरा उत्सव बेहद अनूठा है। यहां सात दिनों तक स्थानीय देवी-देवताओं की पालकियों की भव्य रथ यात्रा निकलती है। यह उत्सव तब शुरू होता है, जब देश के बाकी हिस्सों में दशहरा समाप्त हो जाता है। यहां मां दुर्गा के साथ भगवान रघुनाथ की पूजा का मुख्य विधान है। *

सृष्टि का मूल आधार है 'शक्ति'। शक्ति की यह आराधना केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव सभ्यता जितनी ही प्राचीन और वैश्विक है। प्रागैतिहासिक काल से लेकर आज तक मातृ शक्ति को नाम-तरीकों से पूजा जाता रहा है।

दुनिया भर में शक्ति पूजा
स्वरूप-मान्यताएं हैं अलग-अलग

आस्था / अंजू जैन



भारतीय उपमहाद्वीप को शक्ति पूजा का वैश्विक उद्गम केंद्र माना जा सकता है। यहां 'शाक्त संप्रदाय' के अंतर्गत शक्ति को ही सर्वोच्च सत्ता के रूप में पूजा जाता है। भारत में मां दुर्गा, काली, लक्ष्मी और सरस्वती के रूपों में शक्ति का त्रिविध स्वरूप आकर्षण, ऐश्वर्य और ज्ञान पूजनीय है। वर्ष में दो बार आने वाले 'नवरात्रि' के पावन अवसर पर नौ दिनों तक आदिशक्ति के नौ अलग-अलग रूपों (शैलपुत्री से लेकर सिद्धिदात्री तक) की पूजा की जाती है। भारत, नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान, तिब्बत और श्रीलंका में फैले 51 शक्तिपीठ शक्ति पूजा के भौगोलिक और आध्यात्मिक विस्तार का सबसे बड़ा प्रमाण हैं। शक्ति पूजा की व्यापकता पूरी दुनिया में प्राचीन काल से आज भी विद्यमान है।

प्राचीन मिस्र में 'आइसिस' और 'सेखमेट' की आराधना: यदि हम प्राचीन वैश्विक सभ्यताओं की ओर रुख करें, तो नील नदी की घाटी (मिस्र) में


मिस्र सभ्यता की देवी 'आइसिस'

शक्ति पूजा का एक बेहद समृद्ध इतिहास मिलता है। मिस्र की सभ्यता में देवी 'आइसिस' को मातृत्व, जादू और जीवन के पुनर्जन्म की परम देवी माना जाता था, जिसकी तुलना भारतीय संस्कृति की मां पार्वती से की जा सकती है। वहीं दूसरी ओर, युद्ध और विनाश की उग्र देवी 'सेखमेट' का स्वरूप भारतीय परंपरा की मां काली से हूबहू मेल खाता है। सिंह के मुख वाली देवी सेखमेट को न्याय और संहार की शक्ति माना जाता था, जो बुरी ताकतों से ब्रह्मांड की रक्षा करती थीं।

ग्रीक (यूनानी) सभ्यता में देवियों का महातम्य: यूनान के प्राचीन दर्शन और पौराणिक कथाओं में भी स्त्री शक्ति को सर्वोच्च स्थान प्राप्त था। ग्रीक पौराणिक कथाओं में देवी 'अथेना' को बुद्धि, ज्ञान और युद्ध की रणनीति की देवी माना गया है, जो मां सरस्वती और मां दुर्गा के मिले-जुले स्वरूप को दर्शाती हैं। इसी प्रकार, प्रकृति, जंगली जीवों और प्रसव की देवी 'आर्टेमिस' और पृथ्वी माता के रूप में पूजी जाने वाली देवी 'डेमेटर' (जिन्हें हम मां शाकंभरी या अन्नपूर्णा कह सकते हैं) की पूजा यूनानी समाज में अनिवार्य रूप से की जाती थी। ओलंपिक खेलों की शुरुआत भी कहीं न कहीं इन शक्तियों के सम्मान से जुड़ी थी।

मेसोपोटामिया सभ्यता में प्रेम-युद्ध की देवी इश्तार: दजला और फरात नदियों के किनारे विकसित हुई मेसोपोटामिया (आधुनिक इराक और सीरिया) की प्राचीन सुमेरियन और बेबीलोनियन सभ्यताओं में देवी 'इन्नाना' या 'इश्तार' की पूजा का व्यापक प्रचलन था। इश्तार को प्रेम, सौंदर्य, उर्वरता के साथ-साथ युद्ध की भी देवी माना जाता था। शेर की सवारी करने वाली देवी इश्तार का यह हिंसक और ममतामयी दोहरा स्वरूप बिल्कुल भारतीय सिंहवाहिनी मां दुर्गा जैसा ही है। यह इस बात का ऐतिहासिक साक्ष्य है कि मानव सभ्यता के शुरुआती दौर में भी शक्ति को एक योद्धा और रक्षक के रूप में ही देखा गया।

चीन-जापान में गुआन यिन और अमातेरासु: पूर्वी एशिया की बौद्ध और शिंतो परंपराओं में भी शक्ति पूजा ने अपना स्वरूप बदला लेकिन अपनी मूल भावना को बनाए रखा। चीन में 'गुआन यिन' को करुणा, दया और मातृत्व की देवी के रूप में पूजा जाता है। यद्यपि वे बौद्ध परंपरा से जुड़ी हैं, लेकिन आम जनमानस में उनका स्थान एक रक्षक माता का ही है। वहीं जापान की पारंपरिक शिंतो संस्कृति में


चीन में बौद्ध परंपरा की देवी गुआन यिन

'अमातेरासु' को सूर्य की देवी और संपूर्ण ब्रह्मांड की निर्मात्री माना गया है। जापानी शाही राजवंश स्वयं को सूर्य देवी अमातेरासु का वंशज मानता है, जो यह साबित करता है कि वहां राजसत्ता की शक्ति का स्रोत भी एक महिला देवी ही हैं।

अमेरिका में माया और एज्टेक की प्रकृति पूजा: कोलंबस के अमेरिका पहुंचने से बहुत पहले, वहां की समृद्ध माया और एज्टेक सभ्यताओं में प्रकृति को ही शक्ति का जीवंत रूप मानकर पूजा जाता था। एज्टेक सभ्यता में 'कोटलीक्यू' को जीवन और मृत्यु की देवी, यानी 'धरती माता' के रूप में पूजा जाता था। उनका स्वरूप भी स्कंदमाता और काली के समान उग्र और सृजनात्मक था। वहीं माया सभ्यता में 'इशचेल' को चंद्रमा, चिकित्सा और बुनाई की देवी माना जाता था। इन संस्कृतियों में फसल कटाई के समय मातृ शक्ति को धन्यवाद देने के लिए बड़े उत्सव मनाए जाते थे, जो हमारे यहां की 'नवान्न' या 'लोहड़ी', 'पोंगल' परंपरा जैसी ही है। *

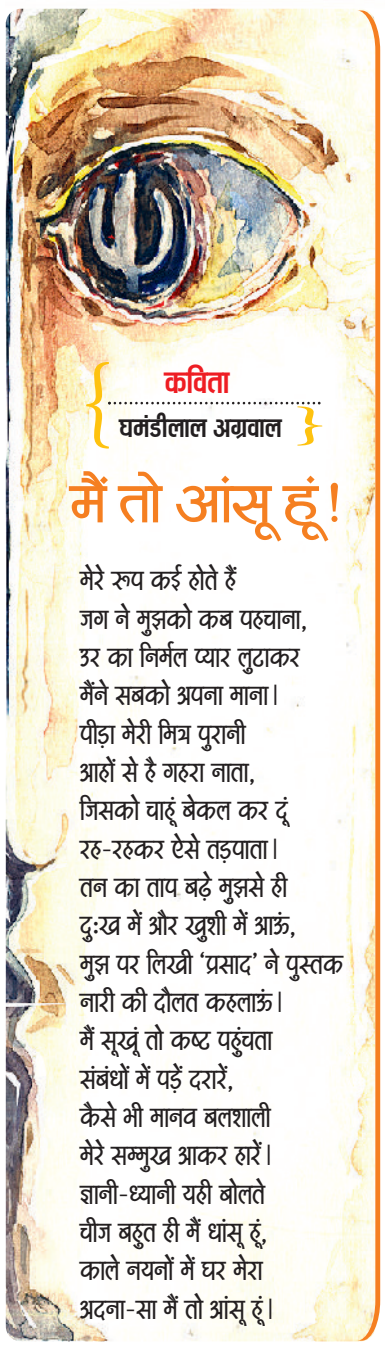

कविता
घमंडीलाल अग्रवाल

मैं तो आंसू हूं!

मेरे रूप कई होते हैं
जग ने मुझको कब पहचाना,
उर का निर्मल प्यार लुटाकर
मैंने सबको अपना माना।
पीड़ा मेरी मित्र पुरानी
आहों से है गहरा नाता,
जिसको चाहूं बेकल कर दूं
रह-रहकर ऐसे तड़पाता।
तन का ताप बढ़े मुझसे ही
दुःख में और खुशी में आऊं,
मुझ पर लिखी 'प्रसाद' ने पुस्तक
नारी की दौलत कहलाऊं।
मैं सूखूं तो कष्ट पहुंचता
संबंधों में पड़ें दरारें,
कैसे भी मानव बलशाली
मेरे सम्मुख आकर हारें।
ज्ञानी-ध्यानी यही बोलते
चीज बहुत ही मैं धांसू हूं,
काले नयनों में घर मेरा
अदना-सा मैं तो आंसू हूं।

व्यंग्य / डॉ. यशोधरा भटनागर

दोस्ती का डेटा पैक



हम बड़े भाग्यशाली समय में जी रहे हैं, जब हमारे पास दोस्तों की कोई कमी नहीं हैं। हमारे इतने दोस्त हैं कि हम खुद भूल जाते हैं कि आखिर हम किसके दोस्त हैं और कौन हमारा? भाग्यशाली समय की हर सुबह अपने दोस्तों से मिलने के साथ शुरुआत होती है और वो भी घर बैठे। मोबाइल उठाया अंगुली से स्क्रीन पर हल्का-सा स्पर्श किया, दोस्ती की दुनिया खुल जाती है। हजारों दोस्त एक साथ कतार में खड़े मिलते हैं। अब पुराने जमाने की तरह चाय पिलाने, हाल-चाल पूछने, या दुःख-सुख बांटने की कोई झंझट नहीं। यहां सब काम लाइक और इमोजी से चल जाता है।

पहले दोस्ती का मतलब था, आप बीमार पड़ें तो कोई दवा ला दे। अब दोस्ती का मतलब है, आप बीमार पड़ें तो सौ लोग लिख दें 'गेट वेल सून।' लिखने वाला इस परम विश्वास से संदेश भेजता है कि यह वाक्य दवा और दुआ से भी ज्यादा प्रभावी तरीके से काम करेगा। लिखने वाले भी निश्चिंत हो जाते हैं कि उसने दोस्ती का फर्ज अदा किया। मोबाइल में इतने 'गेट वेल' बरसते हैं कि बीमारी भी ठिठककर सोचती है। यहां दर्द असली है, या महज रस्म अदायगी है?

अब यह नई संवेदना है, जिसमें आदमी घर से नहीं निकलता, पर भावनाएं पूरी तरह आउटसोर्स कर देता है। भावनाएं डाक से नहीं, डेटा से जाती हैं और कभी-कभी 'डिलीवर' भी नहीं होतीं। इतनी फर्ज अदायगी के बाद अगर मरीज स्वस्थ हो जाए तो ठीक, नहीं तो अगली पोस्ट 'ओम शांति' की तैयारी है। सोशल मीडिया ने दोस्ती को बहुत लोकतांत्रिक बना दिया है। अब आप किसी को जानते हों या न जानते हों, दोस्ती हो सकती है। मेरे एक परिचित हैं, जो हर सुबह कई सौ लोगों को 'गुड मॉर्निंग' भेजते हैं। मैंने पूछा, 'भैया क्या आप इन सबको जानते हैं?' वे बोले, 'नहीं, पर ये सब मेरे फ्रेंड्स हैं।' मैंने सोचा, अगर यही दोस्ती है तो मोहल्ले का किराना दुकानदार मेरा आत्मीय मित्र हुआ। कम से कम वह हर महीने उधार का हिसाब पूछते समय मेरा चेहरा तो पहचान लेता है। इन ऑनलाइन दोस्तों की तरह सिर्फ डी.पी. वाला चेहरा ही नहीं पहचानता। अब आदमी के जीवन में दोस्ती का नए पैमाने, नए मापदंड बन गए हैं-लाइक्स। जिसकी पोस्ट पर ज्यादा लाइक, वह ज्यादा लोकप्रिय। लोग फोटो डालते हैं। कभी कॉफी के कप के साथ, कभी जिम में पसीना बहाते हुए, कभी पहाड़ों में मुस्कुराते हुए और नीचे सैकड़ों लोग लिख देते हैं। 'वाह!' या फिर 'कमाल है!'

हमें तो कभी-कभी लगता है कि अगर न्यूटन आज होते तो वे गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत नहीं खोजते, बल्कि यह खोजते कि पोस्ट पर लाइक किस तरह और किस गति से गिरते हैं? ऑनलाइन दोस्ती की एक और खूबी है। यहां हर आदमी बहुत खुश दिखाई देता है। कोई लिख रहा है, 'लाइफ इज ब्यूटीफुल।' कोई लिख रहा है, 'फीलिंग ब्लेस्ड।' जबकि उसी आदमी की असली जिंदगी में बिजली का बिल, बच्चों की फीस और बॉस की डांट उसकी प्रतीक्षा कर रही होती है। पर इन सब चिंताओं के बीच फुर्सत पाते ही वह एक नई फोटो डाल देता है, मानो हर समस्या हल हो गई। एक दिन हमने अपने मोहल्ले के गुड्डू से यूं ही पूछ लिया, 'भैया तुम्हारे कितने दोस्त हैं?'

'पूरे चार हजार आठ सौ। पांच हजार में दो सौ कम।' उसने बड़े गर्व के साथ मुस्कुराते हुए जवाब दिया। हमने कहा, 'अच्छा है, फिर तो तुम्हें कभी अकेलापन नहीं लगता होगा।''नहीं! नहीं! ऐसा कुछ नहीं। अकेलापन अपनी जगह है। रात को मोबाइल बंद होता है, तो दोस्ती भी 'स्लीप मोड' में चली जाती है। छत की ओर एकटक देखते हुए सोचता हूं, 'इतने सारे दोस्त हैं, पर बात किससे करूं?' उसकी बात सुनकर हम सोचने लगे। इतने दोस्तों के होते हुए भी अकेलापन?' क्योंकि दोस्ती में अब मेहनत नहीं है। मित्रों, दोस्ती का नया ज्ञान और विज्ञान यह है कि डिजिटल की दोस्ती भी बड़ी प्रगतिशील हो गई है। न इंतजार है, न रूठना है, न मनाना है। बस अंगूठा चलाना है। और दोस्त पसंद न आए तो ब्लॉक कर अंगूठा दिखाना है। संवेदनाएं शब्दों की मोहताज हो गईं हैं और भावनाओं ने इमोजी की शक्ल अख्तियार कर ली है। *

लघुकथा / सूर्यदीप कुशवाहा

कच्ची दीवार

अनन्या एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर के पद पर कार्यरत थी। उसकी कार्यक्षमता, अनुशासन और टीम के नेतृत्व करने की काबिलियत का हर कोई कायल था। इस वर्ष ऑपरेशंस हेड का पद खाली होने वाला था और अनन्या अपनी योग्यता के आधार पर इसकी सबसे प्रबल दावेदार थी। उसी विभाग में राहुल भी मैनेजर था। राहुल काम में औसत था, लेकिन उसकी नेटवर्किंग और ऑफिस के पुरुष सहयोगियों के साथ शाम की पार्टियों में उपस्थिति उसे मैनेजमेंट की नजरों में बनाए रखती थी।

पदोन्नति के इंटरव्यू का दिन आया। अनन्या ने पिछले तीन वर्षों के अपने शानदार रिकॉर्ड, कंपनी के बढ़ते हुए प्रॉफिट और टीम की सफलता का पूरा डेटा प्रस्तुत किया। दूसरी ओर, राहुल का प्रस्तुतीकरण सामान्य था। इंटरव्यू बोर्ड के मुख्य सदस्य मिस्टर खन्ना ने अनन्या से एक ऐसा सवाल पूछा, जो शायद ही किसी पुरुष उम्मीदवार से पूछा जाता। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'अनन्या, आपका काम तो बेहतरीन है, लेकिन पता चला है कि आप फैमिली प्लानिंग के बारे में सोच रही हैं। यह पोस्ट तो बहुत जिम्मेदारी वाला है, ऐसे में क्या आप फैमिली के साथ ऑफिस की नई जिम्मेदारियां संभाल पाएंगी?' यह सवाल सुनकर अनन्या सन्न रह गई। उसकी योग्यता पर उसकी व्यक्तिगत जीवन को भारी माना जा रहा था। कुछ दिनों बाद घोषणा की गई कि राहुल को ऑपरेशंस हेड बना दिया गया। कारण बताया गया कि राहुल ज्यादा फ्लेक्सिबल है और जरूरत के समय उपलब्ध रह सकता है। यह अधिकतर कार्यालयों में व्याप्त उस ग्लास सीलिंग का जीवंत उदाहरण था, जहां महिलाओं को उनकी क्षमता के बजाय उनकी सामाजिक भूमिकाओं के तराजू में तौला जाता है। लेकिन अनन्या ने हार नहीं मानी। उसने एचआर विभाग में निष्पक्ष समीक्षा की मांग की और अपनी परफॉर्मेंस के आंकड़ों के साथ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।



उसने साफ शब्दों में कहा, 'प्रतिबद्धता और काबिलियत का पैमाना जेंडर नहीं, बल्कि रिजल्ट होना चाहिए।' अनन्या के साहस ने दबे स्वर में बात कर रही अन्य महिला सहकर्मियों को भी प्रेरित किया। मामला मुख्यालय तक पहुंचा और जांच में पाया गया कि राहुल का चयन पक्षपातपूर्ण था।

अंततः प्रबंधन को अपनी गलती सुधारनी पड़ी। अनन्या को न केवल वह पद मिला, बल्कि कंपनी ने नई नीतियां लागू कीं ताकि भविष्य में किसी भी महिला की योग्यता को उसके घरेलू भविष्य के अनुमानों से न आंका जाए। अब असमानता की कच्ची दीवार टूट गई थी। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

संवेदना से भरी कविताएं

पेशे से फिजियोथेरेपिस्ट डॉक्टर अदिति सक्सेना के भीतर एक कवि मन भी है। इसको प्रमाणित करता है हाल में छपकर आया उनका पहला कविता संग्रह-खो गए हम कहां। इसमें अपने आस-पास की दुनिया के साथ ही देश और पूरी मनुष्यता के प्रति उनकी संवेदनशीलता प्रकट होती है। इस लिहाज से 'बंटवारा' कविता को पढ़ा जा सकता है। कुछ ऐसे ही भाव 'मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना' कविता में भी प्रकट हुए

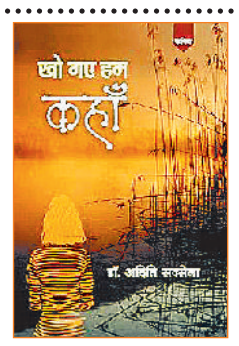

हैं तो कवयित्री को अपने देश के जांबाज सैनिकों पर भी गर्व है। इसे उन्होंने ओजस्वी शब्दों में 'हमारे वीर वायु योद्धा' में व्यक्त किया है। इन सबके साथ पुरुष प्रधान समाज में एक स्त्री को किस तरह हमेशा डरे-सहमे रहने को विवश होना पड़ता है, इस त्रासदी को बहुत मार्मिकता के साथ अदिति ने 'बलात्कार' कविता में शब्दबद्ध किया है। इसी तरह संग्रह की अनेक कविताओं में जीवन और समाज की तमाम विसंगतियों, विडंबनाओं के काव्यात्मक चित्र देखे जा सकते हैं। *

पुस्तक: आ गए हम कहां (कविता संग्रह), **लेखिका:** डॉ. अदिति सक्सेना, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली

द्वीपीय जीवन-संस्कृति की झलक दिखाता

अंडमान-निकोबार का कोकोनट कार्निवल



नारियल की खुशबू, समुद्री लहरों की हरहराती आवाज और स्थानीय संस्कृति के विविध रंग, अंडमान और निकोबार द्वीप का कोकोनट कार्निवल इन सबको एक साथ समेटता है। हर वर्ष आयोजित होने वाला यह उत्सव, नारियल के बहाने इन द्वीपों के खान-पान, परंपरा, कला और संस्कृति से भी रूबरू कराता है।

पर्व-संस्कृति
धीरज बसाक

समुद्र के बीच में बसे द्वीपों की अपनी एक अलग भाषा होती है। रास्तों के किनारे झूमते नारियल के पेड़ किसी स्वागत द्वार की तरह लगते हैं और दूर तक फैला नीला पानी यह एहसास करा देता है कि भारत की भौगोलिक कहानी सिर्फ पहाड़ों, मैदानों और रेगिस्तान तक ही सीमित नहीं है। अंडमान-निकोबार पहुंचकर नजर जब नारियल के पेड़ों पर ठहरती है, तो समझ में आता है कि यहां नारियल महज एक फल या पेड़ नहीं बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी, खानपान और स्थानीय अर्थव्यवस्था का हिस्सा भी है। इस रिश्ते को उत्सव में बदल देता है यहां का कोकोनट कार्निवल, जो इस साल 17 से 18 अक्टूबर 2026 को आईटीएफ ग्राउंड, विजय पुरम पोर्ट ब्लेयर में आयोजित होगा।

द्वीपीय जीवनशैली को करीब से देखने का मौका

अंडमान-निकोबार में हर साल अक्टूबर माह में आयोजित होने वाला यह यह पारंपरिक मेला, अपना एक अलग ही चुंबकीय आकर्षण रखता है। इस मौके पर यहां आने वाले पर्यटकों को इन द्वीपों की असली जीवनशैली को करीब से देखने का मौका मिलता है। नारियल से बने खाद्य पदार्थ, स्थानीय उत्पाद, हस्तशिल्प, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और स्थानीय स्वाद, सब मिलकर इसे सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं बल्कि अंडमान की सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान की झलक बना देते हैं। सैलानियों के लिए किसी जगह की असली खूबसूरती उसके प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों से आगे शुरू होती है। समुद्र तटों की तस्वीरें तो हर पर्यटक खींचता है, लेकिन उन समुद्र तटों के आस-पास रहने वाले लोगों का जीवन कैसा है, वे क्या खाते हैं, क्या बनाते हैं और अपनी प्राकृतिक संपदा को किस तरह देखते हैं? इस सबको जानना यात्रा को एक अनोखा अनुभव बना देता है।

समझ आती है नारियल की बहुपयोगिता



यहां पहुंचकर लोगों को पता चलता है कि नारियल सिर्फ मंदिर में चढ़ाने या कुछ मिठाईयों में इस्तेमाल होने तक सीमित नहीं है। इसकी उपयोगिता की बहुत लंबी-चौड़ी लिस्ट है। इसका पानी हमारी प्यास बुझाता है। इसकी गिरी हमारे भोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा बनती है। इसका तेल खान-पान से लेकर दूसरे घरेलू कामों में इस्तेमाल होता है, जबकि इसकी जटा और खोल से कई तरह के उपयोगी उत्पाद बनाए जाते हैं। द्वीपों में इसकी मौजूदगी इतनी स्वाभाविक है कि पर्यटकों को शायद पहली नजर में इसकी आर्थिक और सांस्कृतिक भूमिका का अंदाजा भी न हो। कोकोनट कार्निवल इसी रोजमर्रा की चीज को उत्सव के केंद्र में लाकर इसके महत्व को उजागर करता है।

अलग-अलग तरह के स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ

इस कार्निवल की एक और खूबी है, यहां पर बनाए जाने वाले विभिन्न व्यंजनों के लजीज स्वाद। अंडमान की यात्रा समुद्री भोजन के स्वाद के बिना अधूरी रहती है। स्थानीय भोजन में कई तरह के समुद्री खाद्य पदार्थों के साथ नारियल की संगति यहां देखते ही बनती है। नारियल आधारित चटनियां, करी और दूसरे स्थानीय व्यंजन यहां आने वाले पर्यटकों को उस स्वाद से परिचय कराते हैं, जो किसी होटल के सामान्य मेन्यू में नहीं मिलता। शाकाहारी यात्रियों के लिए भी यहां नारियल आधारित व्यंजनों की अपनी भरी-पूरी दुनिया है।

संस्कृति के विविध आयामों से परिचय

अंडमान-निकोबार कोकोनट कार्निवल, खान-पान के जरिए भी सैलानियों के सामने स्थानीय संस्कृति परोसता है। यहां की संस्कृति के विविध आयाम हैं, जो सदियों से रह रहे यहां के अनेक समुदायों की परंपराओं से मिलकर बनी है। स्थानीय संगीत और नृत्य, हस्तशिल्प तथा रोजमर्रा के जीवन से जुड़े उत्पाद, इस बात का एहसास कराते हैं कि द्वीपों की संस्कृति मुख्य भूमि से अलग होते हुए भी उसमें भारत की विविधता के चटक रंग घुले हुए हैं।

अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान

इस कोकोनट कार्निवल में आया कोई पर्यटक जब स्थानीय उत्पाद खरीदता है, स्थानीय व्यंजनों का स्वाद लेता है या स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुतियां देखता है, तो इससे यहां की स्थानीय अर्थव्यवस्था को कई तरह से लाभ पहुंचता है। इस तरह उत्सव पर्यटन को केवल होटल्स और दर्शनीय स्थलों तक सीमित रखने की बजाय उसे स्थानीय समुदायों से जोड़ देता है।

हर अनुभव होता है यादगार

सुबह समुद्र के किनारे सूर्योदय, दिन में द्वीपों की सैर और स्थानीय बाजारों की खोज तथा शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अनुभव। कोकोनट कार्निवल के समय यहां आने वाले पर्यटक अपनी आंखों में सिर्फ अंडमान-निकोबार द्वीप की खूबसूरती ही नहीं ले जाते बल्कि इस सांस्कृतिक अनुभव को भी ले जाते हैं, जो जीवन भर उनके मन में यहां की याद ताजा बनाए रखता है। कोकोनट कार्निवल की सबसे खूबसूरत बात यही है कि यह किसी पर्यटन अनुभव की नकल करने की बजाय स्थानीय जीवन के साधारण चीज को उत्सव में बदल देता है। एक नारियल के बहाने, प्रकृति, भोजन, रोजगार, हस्तशिल्प, लोकसंस्कृति और पर्यटन, सब एक ही फ्रेम में दिखाई देने लगते हैं। *

रखें इन बातों का ध्यान

किसी भी द्वीपीय पर्यटन की तरह यहां भी जिम्मेदाराना पर्यटन बहुत जरूरी है। अंडमान-निकोबार के समुद्र तट इसलिए भी लोगों को आकर्षित करते हैं, क्योंकि ये साफ-सुथरे हैं। ऐसे में यह पर्यटकों की जिम्मेदारी भी बनती है कि ये साफ-सुथरे समुद्र तट, बाकी सैलानियों के लिए भी ऐसे ही बने रहें, इसलिए प्लास्टिक कचरा न फैलाना, समुद्री और तटीय पारिस्थितिकी का सम्मान करना, स्थानीय समुदायों और उनकी परंपराओं की तस्वीर या वीडियो लेने से पहले अनुमति लेना, स्थानीय उत्पादों को प्राथमिकता देना जैसी बातों का पालन करें। भले ये छोटी बातें लगती हों, लेकिन संवेदनशील द्वीपों के लिए इनका बड़ा महत्व है।

सफल और समृद्ध जीवन की कामना हम सभी करते हैं। इसे हासिल किया जा सकता है, लेकिन इसके लिए आपके व्यक्तित्व और व्यवहार में कुछ विशेष गुणों का होना जरूरी है। इस बारे में जानिए।

आपको सफल-समृद्ध बनाएंगी

व्यक्तित्व की खूबियां-आदतें

सक्सेस मंत्र
नेहा जैन



किसी ने क्या खूब कहा है, दौलत तिजोरी या बैंक खाते में आने से पहले सोच में जन्म लेती है। यानी सफल और समृद्ध होने के लिए हमारी सोच और व्यक्तित्व में कुछ आदतों का शामिल होना जरूरी है।

खुद पर भरोसा: हर बड़ी उपलब्धि की शुरुआत तालियों से नहीं होती। कई बार शुरुआत संदेह और उपहास से होती है। असाधारण उपलब्धियां हासिल करने वाले लोगों में अपने विचार और अपनी क्षमता पर एक मजबूत विश्वास दिखाई देता है। इसका मतलब यह नहीं कि वे हर समय सही होते हैं। बल्कि वे गलत होने की संभावना के बावजूद कोशिश करने का साहस रखते हैं। आत्मविश्वास का सही अर्थ है- 'मुझे सब कुछ नहीं आता, लेकिन मैं सीख सकता हूं।' यही सोच नया व्यवसाय शुरू करने के लिए प्रेरित करती है।

भविष्य का सही अनुमान लगाने की आदत: आम लोग व्यवसाय के लिए देखते या विचार करते हैं कि आज बाजार में क्या चल रहा है? लेकिन असाधारण सोच वाला व्यक्ति सोचता है कि कुछ वर्षों बाद लोग क्या चाहेंगे? बाजार में किस उत्पाद या सेवा की मांग होगी। यही फर्क कई बार विचार और नवाचार के बीच होता है। तकनीक बदल रही हैं, लोगों की आदतें बदल रही हैं, काम करने के तरीके बदल रहे हैं- इन बदलावों को समझकर आगे की तैयारी करना दूरदृष्टि है।



आलोचना से बेपरवाह: जैसे ही आप कुछ नया करेंगे, राय देने वाले लोग मिल जाएंगे। कोई कहेगा, 'यह तुम्हारे बस का नहीं।' कोई कहेगा, 'इसमें पैसा नहीं है।' कोई आपके पुराने अनुभवों का हवाला देकर आपको रोकने की कोशिश करेगा। आलोचना से भागना नहीं चाहिए। लेकिन हर राय को दिल और दिमाग पर नहीं लेना चाहिए। इस विषय में सुलझा हुआ तरीका है सलाह सुनो, उसके तथ्य जांचो, उपयोगी बात अपनाओ और अंतिम निर्णय सोच-समझकर खुद लो।

बेहतर बनने की भूख: असाधारण लोग केवल सफलता पाने की इच्छा नहीं रखते। वे अपने काम में उत्कृष्टता की तलाश करते रहते हैं। यह मानसिकता दूसरों को हराने की तुलना में कहीं अधिक उपयोगी है। यह सूत्र लंबे समय में असाधारण परिणाम दे सकता है।

वर्तमान सुख के बदले बड़ा लक्ष्य: मान लीजिए आपके सामने दो विकल्प हैं अभी दो घंटे मोबाइल पर मनोरंजन या वही दो घंटे किसी जरूरी कौशल को सीखने में लगाना। तुरंत मिलने वाला सुख आकर्षक होगा। लेकिन भविष्य का लाभ अकसर कम दिखाई देता है। इसीलिए आत्म-अनुशासन इतना महत्वपूर्ण है। इसका मतलब जीवन से आनंद खत्म करना नहीं है। इसका अर्थ है यह समझना कि हर इच्छा को तुरंत पूरा करना जरूरी नहीं।

पैसे की बचत जरूरी: सफल-समृद्ध लोग जानते हैं कि धन का अर्थ केवल अधिक कमाना नहीं है। धन को संभालना, बचाना और समझदारी से उपयोग करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। कोई व्यक्ति आय बढ़ा सकता है, लेकिन यदि उसका पूरा पैसा अनियोजित खर्च हो जाए तो आर्थिक सुरक्षा नहीं बनती। यानी पैसे को केवल उपभोग में खत्म करने के बजाय उसे भविष्य के लिए उपयोगी बनाना चाहिए।

जिम्मेदारी स्वीकार करना: जीवन में बहुत कुछ हमारे नियंत्रण से बाहर होता है। बाजार, मौसम, दूसरे लोगों के फैसले और कई परिस्थितियां हमारे हाथ में नहीं होतीं। साथ ही आपको समझना चाहिए कि हर परिस्थिति में कुछ न कुछ ऐसा जरूर होता है, जिस पर हमारा नियंत्रण रहता है जैसे-हमारी तैयारी, हमारा व्यवहार, हमारा अगला कदम। यही जिम्मेदारी की भावना व्यक्ति को निष्क्रिय शिकायत से सक्रिय प्रयास की ओर ले जाती है।

सीमित जोखिम लेना: सफलता की कहानियां अकसर जोखिम से जुड़ी होती हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि सफल व्यक्ति आंख बंद करके जोखिम लेते हैं। समझदारी यह है कि जोखिम और संभावित लाभ दोनों को देखा जाए। किसी नई स्किल को सीखने में समय लग सकता है, लेकिन वह वर्षों तक उपयोगी हो सकती है। कोई नया व्यवसाय शुरू करने से पहले बाजार, पूंजी, मांग और संभावित नुकसान समझना जरूरी है। *

हालांकि पान मूल रूप से भारतीय पौधा नहीं है। लेकिन इसकी पहचान प्राचीन काल से ही भारतीय संस्कृति से जुड़ी हुई है। पौराणिक कथाओं, ऐतिहासिक संदर्भों, पूजा-पाठ से लेकर औषधि और सामाजिक प्रतिष्ठा के तौर पर इसका उपयोग किया जाता रहा है।

प्राचीन काल से बरकरार है

भारतीय संस्कृति में पान की शान

संस्कृति
शाहिद ए. चौधरी





पान के पत्ते को लेकर रामकथा में सुंदर प्रसंग का वर्णन मिलता है। भगवान श्रीराम का संदेश लेकर जब हनुमानजी लंका की अशोक वाटिका में पहुंचे तो संदेश पाकर माता सीता अत्यधिक प्रसन्न हो गईं और वह इसके लिए हनुमानजी को कोई उपहार देना चाहती थीं, लेकिन उन्हें आस-पास कोई फूल नहीं मिला। तब उन्होंने पास के एक पौधे से ताजा पत्ते तोड़े और उनको आपस में गूंथकर, आशीर्वाद के साथ हनुमानजी को प्रदान किया। वह पौधा पान का था। चूंकि यह प्रेमाशीष माता सीता से उन्हें मिला था, इसलिए हनुमानजी के लिए पान के पत्ते अति प्रिय हो गए, विशेषकर इसलिए कि यह सम्मान, शुद्धता व नई शुरुआत का प्रतिनिधित्व करते हैं। मान्यता है कि तभी से पूजा के दौरान जब हनुमानजी को पान के पत्ते या उनकी माला को अर्पित किया जाता है, तो वे अति प्रसन्न हो जाते हैं क्योंकि इससे उन्हें माता सीता के आशीष की याद आ जाती है। इससे हनुमानजी भक्त को सुख, अच्छी सेहत के आशीर्वाद के अतिरिक्त उसके समक्ष आने वाली बाधाएं भी दूर कर देते हैं।

प्राचीन ग्रंथों में वर्णन: पान, जिसे तंबुला भी कहते हैं, का उल्लेख प्राचीन संस्कृत, तमिल साहित्य और पांचवीं शताब्दी के कालिदास के लेखन में भी मिलता है। प्राचीन आयुर्वेदिक ग्रंथों जैसे चरक संहिता में पान की तारीफ करते हुए बताया गया है कि यह पाचन में मदद करता है, श्वास में ताजगी लाता है और शरीर के दोषों को संतुलित करता है। कामसूत्र में कहा गया है कि पान चबाने से पौरुष में वृद्धि होती है। इस पृष्ठभूमि में पान का भारतीय संस्कृति का अटूट हिस्सा बनना स्वाभाविक था और वह भी इस सीमा तक कि प्राचीन व मध्ययुग की हिंदू रियासतों (जैसे कन्नौज) में राजा के हाथों से पान हासिल करना बहुत बड़ा शाही सम्मान माना जाता था। स्वागत व विदाई में पान के पत्तों की संख्या से हैसियत मालूम होती थी- राजा को 32 पान, राजकुमार को 24 पान, ज्ञानी को 12 पान और साधारण व्यक्ति को 4 पान प्रदान किए जाते थे। औपचारिक समारोह में मेजबान दोनों हाथों से पान पेश करता था। दूसरों के सामने पान खाना और उन्हें पेश न करना अभद्रता में शुमार होता था। प्रतिद्वंदी से पान लेने के लिए मजबूर होना अपमान का घूंट पीना था। महिला द्वारा पुरुष को पान देना उसे आमंत्रित करना था।

इतिहास में मिलते हैं संदर्भ: दिलचस्प बात यह है कि पान, भारतीय पौधा नहीं है। यह इंडोनेशिया के द्वीपों व मलय प्रायद्वीप से पानी के व्यापारी जहाजों के जरिए भारत आया। कर्नाटक के बेलूर में चेन्नाकेशव मंदिर (जिसका निर्माण 12वीं शताब्दी में होयसल राजवंश ने कराया था) की बाहरी दीवारों पर एक महिला को पान के पत्ते लिए हुए दर्शाया गया है, जिससे मालूम होता है कि पान को भारत में सदियों पहले स्वीकृति मिली और अब कोई हिंदू समारोह इसके बिना पूर्ण नहीं होता है।

तमिल संगम कविता 2,000 वर्ष पुराने संसार को बयान करती है जो पान से परिचित थी। पातिप्पलाई कविता में पुहार के व्यस्त बाजारों का वर्णन है, जहां पान के पत्ते बेचे जाते थे। मदुरैकांची कविता में पान की खेती व बिक्री का जिक्र मिलता है, जबकि कुसुंटोकाई कविता में बताया गया है कि छाली के साथ पान पेश करना मेजबानी व प्रेम का प्रतीक माना जाता था। असम में मेहमान को सबसे पहले छालियां या सुपारी पेश की जाती थीं। भूटान में जब भी दो लोग मिलते तो 'डोमा ज्हेस' (कृपया पान व छाली लें) कहते।

मुगलकाल में पान का सेवन ललित कला के स्तर तक पहुंच गया। चांदी व सोने के पानदान कुलीन जीवन का आवश्यक अंग बन गए। यूरोपीय यात्रियों जैसे थॉमस रो ने लिखा है कि बादशाह जहांगीर के अपने पानदान से पान मिलना जबरदस्त राजनयिक सम्मान का प्रतीक था। दिल्ली व लखनऊ के नवाबी दौर में पान शेर-ओ-शायरी, संगीत व तवाइफों की तहजीब का हिस्सा बन गए। ब्रिटिशकाल में पान का कुलीन सांस्कृतिक स्टेटस कम होने लगा। ब्रिटिश प्रशासनिक व सेनेटरी दृष्टिकोण के तहत पान को 'गंदी देशज प्रथा' के रूप में देखा जाने लगा। छाली व तंबाकू युक्त पान खाने की आदत को मुंह व गले के कैंसर से जोड़ा जाने लगा। लेकिन इस 'कोलोनियल कलंक' के बावजूद पान खाने का सिलसिला जारी रहा।

बरकरार है रुतबा: आज भी रोजमर्रा के स्ट्रीट फूड के रूप में (देश के लगभग हर शहर में आपको पनवाड़ी की दुकान मिल जाएगी), खाने के बाद हाजमे के लिए और मेहमाननवाजी के तौर पर शादियों, उत्सवों व समारोह में। पहले जहां सिर्फ तीन किस्म के पान खाए जाते थे- मीठा पान (गुलकंद, तिल, नारियल आदि युक्त), सादा पान (सिर्फ कत्था, चुना व छाली सहित) व जर्दा पान (तंबाकू सहित) तो अब चॉकलेट, फ्रूट-फ्लेवर, फायर पान आदि भी आ गए हैं। *

शायरों की नजर में पान का अंदाज



'जब हम-कलाम हम से होता है पान खाकर/किस रंग से करे है बातें चबा-चबाकर।' मीर तकी मीर ने अपने इस शेर में फ्लर्ट करने के रोजमर्रा के पलों का शानदार नक्शा खींचा है, जिसमें प्रेमिका का पान खाना लालित्य व शरारत का माध्यम बन जाता है। पान चबाने से बोलना जानबूझकर धीमा, रंगीन, प्यारा व आकर्षण भरा हो जाता है। प्रेमी न सिर्फ शब्दों से मंत्रमुग्ध हो जाता है बल्कि इस वजह से भी कि हर 'चबाया' हुआ वर्ण शोखी में बदल जाता है। प्रेमिका के इस अंदाज से पान खाने पर मुसहफी गुलाम हमदानी कहते हैं- 'पान खाने की अदा ये है तो इक आलम को/खून रुलाएगी मिरी जान दहन-ए-सुर्ख तिरा।' लेकिन जब प्रेमिका अपने प्रेमी को पान देती है, तो असद अली खान कलक के शब्दों में यह होता है- 'होठों में दाब कर जो गिलौरी दी यार ने/क्या दांत पीसे गैरों ने क्या-क्या चबाए होंठ।' इसी विचार को अकबर इलाहाबादी ने इस तरह से कहा है- 'लगावट की अदा से उनका कहना पान हाजिर है/कयामत है सितम है दिल फिदा है जान हाजिर है।'

शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों में भक्ति गीत और भजनों का क्रेज रहा है। इनमें भी मां दुर्गा को समर्पित कई गीत तो बेहद लोकप्रिय हुए और आज भी उनकी लोकप्रियता बरकरार है। यहां कुछ ऐसे ही लोकप्रिय फिल्मी गीतों पर नजर डाल रहे हैं, जिनमें मां दुर्गा की महिमा का वर्णन या उनकी शक्ति का आह्वान किया गया है।

मां दुर्गा की महिमा से दमकते

हिंदी फिल्मों के प्रसिद्ध गीत

सिने ट्रेंड
मनोज प्रकाश



फिल्म 'अवतार' का गीत 'चलो बुलावा आया है..'



फिल्म 'सुहाग' का गीत 'नाम रे सबसे बड़ा तेरा'

धर्म का प्रतिनिधित्व करती हुई जब कोई फिल्म बनती है, तो उसे देखने के नए रिकॉर्ड बनते हैं और जब किसी फिल्म में चमत्कार होता है, तो वह उस फिल्म का हिट पक्ष बन जाता है। यूं तो लगभग हर देवी-देवता की बॉलीवुड फिल्मों में गीतों में स्तुति हुई है लेकिन उनमें से कुछ देवी-देवताओं पर अधिक गीत बनाए गए हैं। मां दुर्गा और उनके विभिन्न स्वरूपों का गुणगान, बॉलीवुड फिल्मों के गीतों में खूब किया जाता रहा है। कुछ फिल्में तो ऐसी हैं, जिनमें शामिल किए गए मां दुर्गा के एक गीत या भजन ने उस फिल्म को भरपूर लोकप्रियता प्रदान की। 'अवतार', 'आशा' और 'सुहाग' जैसी कई फिल्में इसका बेहतरीन उदाहरण हैं।

'अवतार' का 'चलो बुलावा आया है': फिल्म 'अवतार' वर्ष 1983 में जब आई तो इसकी कहानी ने दर्शकों के दिलों को स्पर्श कर लिया। राजेश खन्ना और शबाना आजमी ने इस फिल्म में ऐसे माता-पिता का रोल प्ले किया है, जिन्होंने अपने बच्चों के लिए सब कुछ दांव पर लगा दिया। इसी में जब बच्चा अधिक बीमार होता है, तो दोनों माता वैष्णो देवी के दरबार में जाते हैं और वहां जो चमत्कार होता है, वही इस फिल्म का अहम हिस्सा बन जाता है। फिल्म में नरेंद्र चंचल, महेंद्र कपूर और आशा भोसले द्वारा गाया यह गीत 'चलो बुलावा आया है, माता ने बुलाया है', आज भी घरों-मंदिरों में भक्ति-भाव से खूब गाया, सुना और बजाया जाता है। यह मां दुर्गा को समर्पित सबसे लोकप्रिय भक्ति गीतों में से एक है। शारदीय नवरात्र हो या चैत्र नवरात्र माताराणी का यह फिल्मी भजन अवसर को और भी भक्तिमय बना देता है। मां और दुर्गा मां को केंद्र में रखकर बुना गया यह गीत आज भी उतना ही लोकप्रिय है, जितना अपने रिलीज के वक्त हुआ था।



फिल्म 'क्रांतिवीर' का गीत 'जय अंबे जगदंबे मां..'

'आशा' का 'तूने मुझे बुलाया शेरा वालिए': सन 1980 में आई फिल्म 'आशा', जितेंद्र, रीना राय और रामेश्वरी के अभिनय से सजी थी। इसमें भी नरेंद्र चंचल और मोहम्मद रफी द्वारा गाया भजन 'तूने मुझे बुलाया शेरा वालिए,' खूब लोकप्रिय हुआ। आज चाहे माता वैष्णों के द्वार पर जाने वाले भक्त हों या फिर दूसरे सिद्धपीठों में मां के दर्शन को जाते भक्त, मार्ग से लेकर मंदिर तक, हर कहीं 'तूने मुझे बुलाया शेरा वालिए, मैं आया मैं आया शेरा वालिए..' सुनाई पड़ता है। माता रानी के भक्त इसे भक्ति भावना के प्रदर्शन के साथ-साथ अपनी धार्मिक यात्रा की थकान मिटाने के लिए भी गाते हैं।

'सुहाग' का 'नाम रे सबसे बड़ा तेरा नाम': 1979 की फिल्म 'सुहाग' जब आई तो एंग्री यंग मैन का जमाना था। अमिताभ बच्चन, शशि कपूर तथा रेखा की इस फिल्म का गीत- 'हे नाम रे, सबसे बड़ा तेरा नाम, ओ शेरोंवाली, ऊंचे डेरों वाली, बिगड़े बना दे मेरे काम।' मोहम्मद रफी तथा आशा भोसले ने इसमें जो लय दी है, वह ही इसको ऑल टाइम हिट बना गई। मंदिरों से लेकर दुर्गा पंडालों तक में इसकी मधुर आवाज से भक्त रमे रहते हैं। सही बात तो यह है कि चाहे डांडिया हो या गरबा सभी में इसको खूब बजाया जाता है।



'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' का गीत 'मां शेरा वालिए'

नवरात्र पर केंद्रित कई अन्य गीत हुए लोकप्रिय: अलग-अलग दौर में आई कई अन्य फिल्मों में भी मां दुर्गा पर केंद्रित गीत रचे गए। इन गीतों ने भी खूब लोकप्रियता बटोरी। आज भी लोगों के दिलों में इन गीतों की खास जगह है। 'हम दिल दे चुके सनम' का 'ढोली तारो ढोल बाजे, ढोल बाजे ढोल बाजे, की धाम धाम बाजे ढोल...' भी डांडिया पंडालों में उतना ही लोकप्रिय है, जितना कि इस फिल्म में था। फिल्म 'क्रांति' का 'दुर्गा है मेरी मां, अंबे है मेरी मां' और 'क्रांतिवीर' का 'जय अंबे जगदंबे मां' भी कम प्रसिद्ध नहीं हुए। 'मर्द' में अनु मलिक तथा शब्बीर कुमार का गाया हुआ गीत 'मां शेरोंवाली' उस समय खूब चला, जब यह मूवी आई थी। 'खिलाड़ियों का खिलाड़ी' का गीत इसी से मिलता हुआ था 'मां शेरा वालिए, तेरा शेर आ गया।' फिल्मों से अलग हटकर देखें तो माता के जगराते में भी यही शक्ति केंद्र में रही। आज तक गैर फिल्मी जो सबसे अधिक पसंदीदा गीत बना वह है 'प्यारा सजा है तेरा द्वार भवानी।' इसे तो लोकगायकों ने भी गाया और फिल्मी गायक-गायिकाओं ने भी। 'अंबे तू है जगदंबे' को तो न जाने कितने गायकों ने गाया है और बॉलीवुड ने इसे कई बार दृश्य को एक नया मोड़ देने के लिए प्रयोग किया।

दर्शकों को खूब लुभाया इन गीतों ने: इस बात में संदेह नहीं कि माता दुर्गा के तमाम रूप हैं जिन्हें बॉलीवुड ने जब तब दर्शकों के सामने अलग-अलग गीतों के रूप में पेश किया। इसके लिए फिल्म की कहानी ऐसी रखी गई जिसमें एक भजननुमा गीत इसमें समाहित किया जा सके। कहानी भी ऐसी जिसे देखकर दर्शकों की आंखें नम हो जाएं। कुछ भजनों को इस तरह से तैयार किया गया कि वह डांडिया या गरबा में भी चलें और दुर्गा जागरण या सामान्य तौर पर भक्तों को भक्ति में रमा दें। कहने का सार यही है कि बॉलीवुड फिल्मों में मां शक्ति के विभिन्न रूपों को समर्पित खूब गीत रचे गए और ऐसे गीत खूब लोकप्रिय भी हुए। *